भजन

तर्ज–दिल ही दिल में ले लिया दिल

अर्श की खिलवत भुलाकर,आई रूहें आपकी
अब ये घबरा करके पूछें,कब हो रवानी धाम की

1–इश्क के आलम में हमको,क्या ये सूझी थी धनी
इस फनां की चाह ने,दे दी जुदाई आपकी

2–एक पल भी था न गुजरा,आपसे बिछुड़े हुए
तुरंत थामा हाथ मेरा,यह है खुदाई आपकी

3–वारी जाऊं उन रूहों पर,जिनके आशिक आप हैं
चरणरज उनकी मैं चाहूं,जिनसे है निसवत आपकी

4–बक्श दो धनी सब खतायें,ले चलो अब ले चलो
कुछ नहीं मुश्किल ले चलना,मेहर हो जब आपकी

भजन

तर्ज–ए मेरे प्यारे वतन

टर्ज करती है दुल्हन,पकड़ कर धनी के चरण
सुन लो मेहरबान
खुद को भूली है जो रूह,उसका है बस तूं ही तूं
तुझ पे रूह कुरबान

1– मेहर के सागर धनी,मैं लहर हूं आपकी
इश्क देखा आपका,जानी साहेबी आपकी
अब तो है बस ये लगन,देखूं अपना मूल तन
है बका में जहां,खुद को...

2– सारे अंगो से धनी,आपकी सेवा करूं
आप दुल्हा मैं दुल्हन,वचन ये ढ़ करके कहूं
रब्द को करके दफन,तोड़ दो झूठा सुपन
अंग लगे अंगना,खुद को...

3– कुछ तेरी अर्जी करें,कुछ फना में गर्क है
कुछ का मन चलने को है,कुछ के मन में तर्क है
खेल कैसे हो खत्म,सोच कर आखें हैं नम
साथ है हैरान,खुद को....

AUDIO VIDEO Play

भजन

आये हैं देखो पारब्रह्म, आये हैं देखो पारब्रह्म
दुनिया मे ना जाने नाम कोई, वेदो मे भी अगम निगम कही
सादियों से भट्की दुनिया को देने आये है तारतम

1–पहले क्षर की मैं बात बताऊं, क्षर क्या है मैं ये समझाऊं
ब्रह्मा विष्णु महेश ये त्रैगुन ,आदि नारायण से उपजे ये गुन
जब महाप्रलय का जोर –जोर, तब रहसी ना कोई और –और
तब होगा कौन सा ठौर – ठौर

2– अक्षर ब्रह्म है सतअंग पिया का, जो है दिखाता खेल ये दुख का
कृष्ण – कृष्ण जो कोई नर गावे, योगमाया तक पहुंच वो पावे
है कृष्णा नाम का ठाम यहीं, ले जाये ना इससे आगे कहीं
आखंड है ये आन्नद नही जो कहलाते है अक्षर ब्रह्म

3–अक्षरातीत जो शब्दों में ना आये, वो ही तो पूर्ण ब्रह्म कहलाये
ब्रह्ममुनियों के कारण यहां आना हुआ है,जिनकी वजह से दुनिया तर जाये
है चारों तरफों नूर जहां, है नूर से सब भरपूर वहां
रहते है इश्क में चूर जहां, बिन इश्क ना मिलते पारब्रह्म

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज–टुकड़े हैं मेरे दिल के

बैठे हो जहाँ पर तुम तेरे पास तेरी रूहें
माशूक मेरे देखो क्यूं उदास तेरी रूहें

1– कदमों में पड़े हैं पर बातें न हो सकती हैं
आंखें तो खुली हैं पर दीदार को तरसी हैं
इस दर्द में घिर कर के लाचार तेरी रूहें

2– नजरों में पिया जी ये नजरें तो जरा डालो
दिल में यूं उतर करके दूरी तो मिटा डालो
मांगे तो फकत मांगे ये मेहर ही तेरी रूहें

3–कोई आस अगर है तो वो आस दर्श की है
कोई प्यास अगर है तो वो प्यास अर्श की है
करती है खताओं का इजहार तेरी रूहें

VIDEO
Play
AUDIO

भजन

तर्ज-तेरी दुनिया से दूर

बैठे हक के हजूर फिर भी कहते हम हैं दूर

कैसा हाल है कया-2

1- कहने को जुदाई ना रूहें यहां आई,

तेरे पास हैं पिया

चरनों में बिठाया और खेल भी दिखाया,

पर्दा ऐसा क्यूं किया

पर्दा ऐसा क्यूं किया,ये बताओ ओ पिया

कहें रूहें बार बार,करें तुमसे पुकार

2- ना छूटा साथ अपना,अर्श हो या सपना

रहे साथ में पिया

लाये हैं अपनी न्यामत,करी है ये इनायत

सुख घर का है दिया

सुख घर का है दिया,रहे साथ में पिया

हमने मानी अपनी हार दे दो धाम का वो प्यार

3- ये अर्जी है हमारी जगा लो रूहें सारी

ढील काहे की पिया

देखी तेरी जुदाई नहीं है हमें भाई

यहां लागे न जिया

ढील काहे की पिया,यहां लागे न जिया

बस है इतना इन्तजार,होगा कब नूरी दीदार

तर्ज––वफा जिनसे की बेवफा हो गये
आपसे इश्क रब्द में पिया
हाल ये अपना क्या हो गया

1–पिया अपने घर मे नही तन्हाई
मिलन ही मिलन था सुनी न जुदाई
वो इश्के निशां भी कहीं खो गया

2–मस्ती के घेरो मे हम तुम बंधे थे
इश्क के बोल ही सुने और कहे थे
फासला ये क्यूं दरम्यां हो गया

3–बातूनियो का सुख दिया है
मगर खुद को अब तक न जाहेर किया है
ये सोच के साथ हैरान हो गया

भजन

अपने हो तुम बेगाने नहीं,हमने तुम्हें पहचाना नहीं
यह सच है अफसाना नहीं,हमने तुम्हें पहचाना नहीं

1- अब रोए रूह तेरी याद आए घर की
क्यूं तड़पाये पिया अंगना को अपनी
कैसी है ये हांसी लगे पिया ज्यों फांसी
इश्क तेरा मैंने जाना नहीं

2- सुन सुन के तेरे मीठे सुकन पिया
याद आए तेरी मेरी निसवत वतन की
तेरी हूं रहूंगी संग तेरे जाऊंगी
प्यार मगर तेरा जाना नहीं

3- साथ चरणों में आया जान के धाम धनी
साथ पिछले को हमने दे दी है वाणी
जागो और जगाओ संग मेरे तुम आओ
तुमरे बिना मैंने जाना नहीं

भजन

तर्ज–दिल ही दिल में ले लिया दिल

अर्श की खिलवत भुलाकर,आई रूहें आपकी
अब ये घबरा करके पूछें,कब हो रवानी धाम की

1–इश्क के आलम में हमको,क्या ये सूझी थी धनी
इस फनां की चाह ने,दे दी जुदाई आपकी

2–एक पल भी था न गुजरा,आपसे बिछुड़े हुए
तुरंत थामा हाथ मेरा,यह है खुदाई आपकी

3–वारी जाऊं उन रूहों पर,जिनके आशिक आप हैं
चरणरज उनकी मैं चाहूं,जिनसे है निसवत आपकी

4–बक्श दो धनी सब खतायें,ले चलो अब ले चलो
कुछ नहीं मुश्किल ले चलना,मेहर हो जब आपकी

आशिकी पे आपकी वारी जायें हम
मिल गए हो माया में,भूले सारे गम

1– हमने तुमको पीठ दई फेर फेर फेर
आपने गले लगाया हमको बेर बेर
लाड तेरे इतने पिया सह सकें न हम

2– कहें कैसे मुख से तेरी मेहरबानीयां
हममें देखीं आपने क्या कदरदानियां
दे रहे हो सारा हमें अर्शे आनंद

3– तेरी इस अदा का पता अर्श में न था
समझ बैठी इश्क अपना वहाँ पे बड़ा
इप्तदाए इश्क का शक हुआ है खत्म

भजन

तर्ज–कहे तोसे सजनी

बल बल जाऊं चरण कमल पे
बल बल जाऊं पिया के नूरी मुख पे
दर्शन कर जिनके सुख उपजे है
1–नैन अनियारे,मेरे पिया के
हर पल, जो सनकूल रूहों पे
निरखती रंहू मैं जिया यही चाहे
2–कबुं हक सिर पर मुकुट है सोहे
पेच पाग के मन मेरा मोहे
बरनन सुन के जिया क्यों रहा रे
3–वस्तर भूखन तन की है शोभा
न पहना न उतारया है दूजा
हर रूह देखे है दिल माफक रे
4–कटि पेट पासे खभे है कैसे
देखत बने है न कहनी मे आवे
इलम से तेरे रूह सुख पाए

भजन

तर्ज–धीरे धीरे प्यार को बढ़ाना है

बन के दुल्हन तेरी जाना है,बेहद पार जाना है
तुमसे ही इश्क मैने पाना है,बेहद पार जाना है
1–वही तो है घर अपना,प्यारा निज वतन अपना
जहां की है धरती गगन चेतन
नूर भरा कण कण में,एक दिली हर मन मे
खोल दिए तूने यहां निज नैनन
पीछे तेरे कदम बढ़ाना है
2–तुम ना आते तो क्या करती, ऐसे ही आहें भरती
तेरे प्यार के लिए तड़पते उम्र भर
इलम ले के आए यहां,इश्क भी उपजाए यहां
बिन तेरे न जिएगें अब तो एक पल
सब कुछ तुझपे ही लुटाना है
3–नूरी वहां तन होगें, नूरी नैनन होगें
छाया रहे सदा जहां नूर का आलम
हर तरफ है इश्क वहां, इश्क मयी धरती जहां
इश्क मे हो चूर हम तुम मेरे खसम
नूर में ही इश्क को मिलाना है

भजन

तर्ज–चंदा को ढूंढने सभी

अपने पिया को छोड़ कर घर से निकल पड़े
देखा ना उनके प्यार को बस यूं ही चल पड़े

1–अपना ठिकाना छोड़ कर,करके उन्हे जुदा
और आ गये जहां मे हम,करके उन्हें खफा
आयी जो उनकी याद तो आंसू निकल पड़े

2–भूले जो अपने धाम को,आना पड़ा उन्हे
खातिर हमारी दुखो को,सहना पड़ा उन्हें
आई न होश धाम की माया के फंद पड़े

3–माया में आये शान से,घबरा के जायेगें
पूछेगें सैयां प्यार से,लब थरथराऐगें
सिर ना उठेगा सामने चरणों में गिर पड़े

VIDEO Play AUDIO

भजन

आए हैं प्राणनाथ यहाँ,सब राज खोल दिए
जिनको न कोई जान सका,अब वोह ही आ गए

1- सब ग्रन्थ जिनको ढूंढते, हैं ये तो वहीं
आ जाओ इनके चरणों में, अब न कुछ कहीं
पूर्ण ब्रह्म जिन्हें कहा....

2- पूर्ण ब्रह्म तो सबके हैं, किसी एक के नहीं
जाहेर हुए सबके लिए, क्यूँ देखते नहीं
पहचान जिसने है लिया....

3- धंन धंन वो तो हो गए, पहचान जो करे
है जिनका दिल जिन भांत का, तिन विध पिया मिले
जिसने जैसा है लिया....

4- यहाँ तीनों सृष्टि आई हैं, तीनों की चाल जुदी
सब जाहिर अब तो हो रही, कहने की बात नहीं
सब देख रहे हैं आप पिया

भजन

तर्ज–हम तो है परदेस में

अपने रंग मोहल में पिया, हम कितने थे खुशहाल
इश्क रब्द ने अपना कैसा, बना दिया है हाल

1 जिन तनों में नूर तुम्हारा,इश्क तुम्हारा है
एक दिली जहां तुम्हारी,पिया मेरे नूर जमाल

2 कैसा बिछोहा दिया मेरे दूल्हा,भूले अपनी बात
सुध ना रही कछु भी आपकी,हो गए हम बेहाल

3 जब तक ना सुध थी पिया की, ना कोई था दोष
अब ना कोई हो गुनाह जो,करना पड़े मलाल हो

VIDEO
Play
AUDIO

पीछला बाकी दिन,रह्या घड़ी चार
धाम वतन चलने की,मोमिन करें विचार
अर्श की नमाज का,आए पोहोंच्या बखत
गोकुल अर्ज करत है,सामें होए तखत
हमको इन खेल से,सिताब काढ़ो श्री राज
भए मनोरथ पूर्ण,रहया न कोई काज
श्री धाम धनी सुनत हैं,ए वाणी जो मकबूल
दुआयें जो मोमिनों की,होत है कबूल

अर्जी सुन्दरसाथ करे,चरणों में हो के खड़े
पिया जी धनी जी,खेल को बस करो,दिन बीते हैं बड़े
1- अर्श में प्रीतम से,क्यों रब्द हमने की
खेल क्यों मांग लिया,यह समझ हम में न थी
पिया जी...
2- माया भी देखी है,दुख भी देखा है
खेल भी देख लिया,इश्क भी देखा है
पिया जी धनी जी,ले चलो ले चलो
दिन बीते...
3- आपकी जुदाई को,अंगना कैसे सहे
हैं शर्मसार हमहीं,आपसे कैसे कहें
पिया जी....
4- अंगना जान के ही,आपने जगाया है
लेके चलते क्यूं नहीं,समझ न आया है
बस हमरा न चला,साथ चरणों में पड़े
अर्जी..

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज– गोरी है कलाईयां

अर्श से आईयां,हम फर्श पे आईयां, अपने धनी की धनयानियां
अपने पिऊ की प्यारी, भटक गई हैं सारी, सतगुरू आन जगाते
वाणी सुन सुन भागी, फिर भी ना रूह जागी
ऐसी भई माया की दीवानीयां

1–आये हैं आतम वल्लभ आये, छाये हैं दीद के आलम छाये
आज पधारे महबूब हमारे, तरस गये थे हम तो दरस को तिहारे
आज पिला दो,मदहोश बना दो, दे दो हमें इश्क की सुराहियां
अर्श से आईयां...
कायम सुराही बस मोमिनों ने पाई, इसे दूजा कोई क्यों कर पावे
जिसके ये ताले लिखा,उसने ये जाम चखा,मिट गई दिल की वीरानीयां
2–तुम सागर हम लहरें तिहारी, तुम सूरज हम किरणें तिहारी
सनमंध मेरा बस तुमसे जुड़ा है, इश्क से तेरे ये ख्वाब उड़ा है
जब मिली न्यामतें रूहानीयां
अर्श से आईयां...
लाड हमारे पूरे करने वाले, तुम रहते हो संग हमारे
हम तुम अंग संग,जैसे जल की तरंग, मिट गई सब तन्हाईयां
3–पहले आतम में तुमने तड़प जगाई, तड़प जगा कर इश्के आब पिलाई
तासीरे निसवत ये क्या रंग लाई,हो गई तेरी मस्तानीयां
अर्श से आईयां....
इश्क ने ऐसी प्यारी मस्ती पिलाई,पी के दुनियां से न्यारी हो गई
आंखों में बसे हो तुम,दिल में बैठे हो तुम
हो गई दूर हैरानीयां

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज–अगर मुझसे मोहब्बत है

अरश की मूल खिलवत में,हमें तुम ही जगाओगे
तुम्ही से हमरी निसबत है, तुम्ही पर्दा हटाओगे

1–तुम्हारे बिन ना कोई आसरा हमको नजर आए
तुम्हारे बिन कहे किसको तुम्हारे बिन कहां जाए
मगर ये भी हकीकत है हमे तुम ही बुलाओगे

2–न मुझमे कुछ रहा मेरा ना इतना बल दिया तुमने
न इतनी है खबरदारी रहूं हर दम पिया चरने
हमारी ऐसी उलझन को पिया तुम ही सुलझाओगे

3–अगर कुछ आप कहलाओ तो इतना ही कहें तुमसे
तुम्हारे बिन पिया मेरे रहा जाए ना अब हमसे
मिलेगें तुमसे खिलवत मे ये अन्तर जब मिटाओगे

भजन

टपनी रूहों की जिंदगी तुम हो,
इश्क ईमान बंदगी तुम हो

1- इस जिमी पर घना अंधेरा है
सिर्फ अपनी तो रोशनी तुम हो

2-मैं जिधर भी नजर उठाती हूँ
हर तरफ मेरे बस तुम्हीं तुम हो

3- अब किसी से न वफा की उम्मीदें
साथ में मेरे मेहरबान तुम हो

4- अब कोई आरजू नहीं बाकी
आरजू मेरी बस तुम्हीं तुम हो

भजन

तर्ज–अपने जीवन की उलझन को

अपने प्राणों के प्रीतम को कैसे मैं रिझाऊं
ना सेवा ना बंदगी मेरी कैसे उनको भाऊं

1– जान के निसवत धाम की तुमने,
आकर गले लगाया
तुम दूल्हा मैं दुलहन तेरी,
इश्क मैं तेरा पाऊं

2– मेरे दिल की तुम ही जानो,
और न कोई जाने
तुम बिन मेरा और न कोई,
किसको हाल सुनाऊं

भजन

तर्ज–अपने रूठे पराये रूठे यार रूठे न

बैठे चरणों तले पिया के, तन ये रूहों के
झूठी माया को दिखलायें, अपने नैनों से
वाणी से जानी हैं रूहें, भेद ये सारे
याद वो आए नजारे, धाम के सारे
पिया जी ले चलो..., अपनी मेहर करो
धाम के सुख दे दो, रूहों को

1–सुन्दर सरूप पिया,सागर नूर का,दिल तो है इश्क से भरा
कोमलता अधरों की,लाली वो गालों की,नैनों में प्यार है भरा
रसना के सुख कैसे कहूं मैं, देते करके प्यार
रूहें जानें अर्श की जो हैं, लेती बेशुमार
वाणी से जानी...

2–कुंजवन में दौड़ना,मधुवन में खेलना,जमुना जी साथ झीलना
युगल जोड़ी संग,हंसना वोह बोलना,ताड़वन में साथ झूलना
धाम का नूरी नजारा, दे दो रूहों को
मस्ती कायम वोह ही दे दो, अपनी रूहों को
वाणी से जानी..

3–पर्वत कहूं पुखराज जहां से,चली जमुना जी लहराए
खाए मरोर चली कई भांतें,हौज कौसर में मिली आए
हौज कौसर देखो रूहो,टापू हैं मोहोलात
झीलती हैं संग पिया के,श्यामा जी हैं साथ
वाणी से जानी..

4–नव भोम, दसमी आकाशी,रंगमोहोल कहूं बात
बैठत प्यारे, पिऊ संग रूहें,चांदनी आवे जब रात
देखो रूहों चांदनी रात,नूर की बरसात
बैठे राजश्यामा जी सिंघासन,बैठा है सब साथ
वाणी से जानी...

भजन

तर्ज–अगर पंजे वाले की

अर्श किया तुमने दिल को हमारे,
कैसे कहें पिया हमसे जुदा हैं
बैठक लगाई रूहों के दिल में,
ये महबूब मेरे हमपे फिदा हैं

1–खिलवत खाने में इश्क रब्द की,
बातें हुईं थी जो सब याद कराईं
अर्श खजाना सब ले आए,
मेहरों के सागर बड़े मेहरबान हैं

2–भरके सुराही इश्के हकीकी,
लेके पधारें हैं मस्ती लुटाने
खड़े क्यूं हो दिलबर बैठो,
बिठाओ आगोश में,हम बड़े गमजदा हैं

3–इतनी पिला दो कि मैं मैं रहूं न,
तुम ही हो सामने,तुम ही हो जाऊं
एक सरूप हो जायें इश्क में,
रंग मारफत का चढ़ता जहां है

तर्ज– आपके पहलू में आकर रो दिए

आपसे नजरें चुरा कर रो दिए
शान झूठी हम जता कर रो दिए

1– हमको क्या मालूम थी गुजरेगी क्या,
आपसे मुख मोड़ कर बीतेगी क्या
हम तो सब कुछ ही गंवा कर रो दिए

2– जी रहे हैं पर जिया जाता नहीं,
रास्ता कोई नजर आता नहीं
दर्द को दिल में छिपा कर रो दिए

3– पास रहकर भी बहुत ही दूरी है,
क्या खबर हाय ये क्या मजबूरी है
हाले दिल खुद को सुना कर रो दिए

भजन

तर्ज–बड़ा बेदर्द जहां है

बड़ा बेदर्द जहां है,यहां पे चौन कहां है
मुझे ओ धाम वाले वापिस बुला ले

1–तुझ बिन मेरे सांवरे किसको मेरा पता
किसे सुनाऊ दास्तां कौन सुनेगा यहां
कोई मेरा न तेरे बिन तू ही मेरा लागे प्रीतम

2–जाग के आप तो देखते नींद में हमको यहां
ऐसा खेल दिखा दिया हमको था न पता
ये सपना तोड़ दे प्रीतम मुझे अब ले चल प्रीतम

3–और न कुछ मैं चाहती ,इक बस तेरे सिवा
चरणों में अब तो ले कर चल मुझको मेरे पिया
करो इक मेहर नजर तुम,मुझे अपना लो प्रीतम

भजन

तर्ज–भूली बिसरी एक कहानी

भूल गई थी अंगना दिवानी,
याद दिलाई निसबत पुरानी

1–हमने तो तकरार कीन्हा,ना एतबार कीन्हा
इन्कार कीन्हा,खेल मे रूहे रही भरमाई

2–अंगना को तड़पाया तुमने, उपजाया तुमने
अपनाया तुमने,तेरी पिया है बड़ी मेहरबानी

3–ह्रदय मे चढ़ चढ़ आयी,खिलवत हमारी निसबत हमारी
तेरी दुल्हनिया तेरी मस्तानी,तुमने निभाई शर्ते पुरानी

4–माशूक प्यारे तुम्हारी रूहें बलिहारी,जाएं वारी वारी
वारूं पिया पर मै यह जिन्दगानी,कुरबानी है यह रूहानी

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज–अपने होठों पर सजाना चाहता हूं

अपनी रूहों को मैं लेने आ गया हूं
सुख अर्श के मैं वो देने आ गया हूं

1–भूल बैठे थे जिसे तुम यहां पे आकर
वो हकीकत याद दिलाने आ गया हूं

2–कितने बदले तन यहां खातिर तुम्हारे
भेद ये तुमको बताने आ गया हूं

3–तुम ना समझे थे ना समझा है मुझे
कौन हूं मैं खुद बताने आ गया हूं

4–आखिरी है वक्त अब ये जान लो तुम
अब तुम्हे मैं घर ले जाने आ गया हूं

5–रह नही सकता हूं मैं तो बिन तुम्हारे
राज है ये इसलिए मैं आ गया हूं

भजन

आया मेरा प्राण प्यारा,जी भर भर के देखो

1- मूलमिलावा है अति सुन्दर,
चौसंठ थंभ तकियों के अन्दर
सिहांसन अति प्यारा,जी भर भर....

2- परमधाम से पिया यहाँ आये,
अपनी रूहों को संग ले आये
साथ है जान से प्यारा,जी भर भर...

3- अखण्ड खजाना पिया यहाँ लाये,
अपनी रूहों को रहें पिलाये
क्षर अक्षर से पारा,जी भर भर...

4- पन्ना में श्री प्राणनाथ जी आए,
रूहों को जागनी रास खेलाए
देखो अजब नजारा

भजन

तर्ज– हर तरफ हर जगह बेशुमार

बार बार कहे पिया की वाणी

पहले करनी होगी हमें रहनी

1 पिया लाये वाणी रूहों के वास्ते

जो ना ले सिर अपने करे क्या वाणी

2 रहनी जीव की तो तुम कर ही रहे

अब करो रूह की जो बताए धनी

3 चाहे चितवन करो या सुनो चर्चा

बिन रहनी के मिलते ना धाम धनी

3 खुद को ही जब तलक देंगे हम धोखा

बिन साफ हुए बिन न रुह की जागनी

4 लेवे अवगुन गुण ना दिल में धरें

कैसे उस दिल में आए धाम धनी

भजन

तर्जः–कभी कभी

1 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
सदके तेरे जाऊं बलिहार उम्र भर के लिए आओ बैठो पिया
प्यारे को देखूं जी भर के
जाम नजरों से पिये जाऊँ उम्र भर के लिए
2 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
तो चूम लूं ये चरण कोमल मेरे प्राण हैं यह
चरण तली की रेखाओं को निरखती ही रहूं
नखों के नूर में खो जाऊं उम्र भर के लिए
3 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
छवि ये नूरी देखती ही रहूं प्यारी सी
बांके नैनों से जब मेरे ये नैन मिलें
दिल में तेरे उतर जाऊं उम्र भर के लिए
4 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
नूरी मुखड़े के नूर से रूह भीग जाये मेरी
इश्के बरसात में सराबोर हो के नाच उठूं
खुद से खुद को ही भूल जाऊँ उम्र भर के लिए
5 अर्शे दिल की सेज पर पधारो मेरे पिया
लाल अधरों की लालिमा का सुख खींचे मुझे
लटकता बेसर ऊपर से मदहोश करे
मधुर रस पीने खिंची जाऊँ उम्र भर के लिए
तेरी हूं तुझमें ही समाऊं उम्र भर के लिए

भजन

तर्ज–सौ बार जन्म लेगें

बड़ी देर भई है पिया,जीया और नही जाता
बता दो मेरे प्राण पिया,कब खेल खत्म होगा

1– जब दिल में लिया था धनी,माया ये दिखलाई
माना बड़ी सुंदर है,पर रास नही आई
यहां छल बल झूठ कपट ,मुझसे न सहन होगा

2– मैं हार गई हूं पिया,माया में ना रह सकती
खेल और दिखाना है, दे दो अपनी शक्ति
शैतान रूपी मनवा, कैसे ना भसम होगा

3– माया के रंग काले, कैसे खेलूं होली
उन अर्श के रंगों से,भर दो मेरी झोली
फैलेगें अर्श के रंग ,सब साथ मिलन होगा

भजन

तर्ज–किस तरह तोड़ा मेरा दिल..

आये हैं मेहरबां हमारे,लेके मेहरो के भण्डार
इक इक रूह पे बरस रहा है,प्यार उनका बेशुमार

1–चल के आये धाम से,रूहें जगाने के लिए
मैं उत आऊगां सतगुरू बन के,वादा निभाने के लिए
कब खड़ी हों रूहें उठ कर,कर रहे वो इन्तजार
आये हैं मेहरबां....

2–वास्ते रूहों के लाकर धाम से ,वाणी सौंप दी
सभी खजाने लुटा दिये, अपनी मोहब्बत सौप दी
खुद वो जाकर दर दर मांगे, रूहों से थोड़ा सा प्यार
आये हैं मेहरबां....

3–अपने गुनाहों से थे हम,तो बेखबर बैठे हुए
अर्श से आये जिमी पर, आवाजें हमको देते हुए
क्योंकि निसबत थी हमारी, उनको है हमसे प्यार
आये हैं मेहरबां....

VIDEO
Play
AUDIO

भजन

तर्ज–कसमें वादें प्यार वफा सब

अर्श हो नजरों में हमारी ऐसी दिल में चाह करूं
झूठ ना आए नजरों में अर्ज ये श्री राज करूं

1 आंख खुले तो सबसे पहले आपका दीदार करूं
सुंदर सुंदर नूरी छवि को देखा बारंबार करूं
प्रीतम मीठी मीठी प्रीत का,मीठा सा सिनगार करूं

2 आपके दिल का प्यार पिया जी ,मेरे दिल में भर जाए
आपके अंग अंग में मेरी रूह का, सब अंग रंग जाए
आपके नैना नूर भरे वो मेरे नैनो बस जाएं

3 इन चरणों की शीतल छाया,में ही हो आराम मेरा
सब विध सुख देने वाले इन चरणों में विश्राम मेरा
अक्षर से आगे है अपना,ये ही तो निज धाम मेरा

भजन

तर्ज–आजा सनम मधुर चांदनी में हम

कौन पारब्रह्म किसके दिल में है खसम
हुआ मिलन मगर न पहचान पाई आत्म
अब तलक हुआ न एतबार–2
ग्रन्थों की न गम न पहुंचे जिस तलक निगम
वहीं तो बीच मोमिनों के बैठे दे रहे हैं प्यार
वो हैं सदा सुख के दातार
1– मीठी मीठी प्यार की, जिनकी हर एक बात है
बेशुमार ल्याए शुमार में, क्या जिमीं क्या मोहलात हैं
रूहों को जगा रहे चितवनी करा रहे
तारतम के ज्ञान से पार वो दिखा रहे
2– किसके नूर का ये जहूर है, क्या कभी किया कुछ सहूर है
कौन जाम अर्श के पिला रहे, किसकी मस्ती का ये सरूर है
किसके इश्क में हैं गर्क होने के लिए है
सबका दिल बड़ा मजबूर है कौन वो हजूर है
3– अलफ लाम मीम जो कुरान में,अब तो वो भी मुक्ता हरफ न रहे
बसरी मलकी हकी तीनों सूरतें,वाणी में ये खुद खुदा बता रहे
अब जो मद में चूर है,उसका ही कसूर है
खुद वो हक से दूर है,जिसको भी गरूर है

भजन

तर्ज– जबसे देखा तुमको यारा

जबसे अपनी निसवत जानी,
दिल ये बोला,रूह ये मानी
पिया मेरे हैं,धनी मेरे हैं
मैं हूँ उनकी सुहागिन

1– दुनियां में कौन अपना,ये हम नहीं जानें
धनी मेरे मैं उनकी,बस ये ही हम जानें
हम तो चलें पिया राह पे तेरी,ये ही है बस चाह हमारी
दुनियां छूटे,तुम न छूटो,चाहत ये ही हमारी

2– निसवत से पिया आये,ये संसार क्या जाने
खातिर रूहों की आए,ये भरतार ही जानें
मुक्ति देनी है जीवों को,सुध ईश्वरी को धाम की देनी
वाणी ल्याए खिलवत ल्याए,निसवत अपनी बताई

3– तुम्हीं ने दिखाई निसवत खिलवत,
तुम्हीं ने दिखाई अखंड वाहेदत
खेल भी तुम्हीं देखाईया,दई फरामोसी भी तुम
तुम्हीं जगावत जुगतें,कोई नहीं तुम बिन खसम
पिया मेरे हैं,धनी मेरे हैं,मैं हूँ उनकी सुहागिन

गज़ल

कितना हंसी करम किया मुझ पर कहे बगैर
आये वोह खुद ही चल के मेरे घर कहे बगैर

1- मुझसे कभी न बात की काफिर कहे बगैर
न बाज आया मैं भी उन्हें दिलबर कहे बगैर

2- वाकिफ हैं मेरी खू से हर बशर कहे बगैर
कहता हूँ दिल की बात मैं अक्सर कहे बगैर

3- देखा जो मुझको साकिओं रिन्दों ने यूं कहा
ये कौन आया बज्म के अन्दर कहे बगैर

4- किया तेरे इश्क ने मुझ पर ऐसा असर अजीब
के हाजरीन रह न सके मुकरर कहे बगैर

भजन

इशारा तेरी रहमत का मेरी सरकार ना होता
के उजड़े दिल के गुलशन में गुलो गुलजार ना होता

1–गिरे थे अर्श से इस फर्श पर बनके हम मोती
न चुनते हंस बन कर के जो तेरा प्यार न होता

2–पिरोए प्यार के मनके ये कलियां अर्श की चुनकर
मेरे दिलबर ने पहने है गले का हार ना होता

3–जो पकड़ा हाथ है मेरा जान कर धाम की अंगना
धनी मेरे मैं धनी की हूं तू मेरा भरतार ना होता

तर्ज-- सौ साल पहले

झूठ बदले खोया सांचा,सुख री सुहागनी
पूछ अपनी आतम सों,कैसी ये जागनी

1--मैं खुदी खड़ी आड़े, धनी सो मिलन न होने दे
ये समां न फिर मिलसी, इसे न व्यर्थ मे खोने दे
अपने तो प्रीतम,श्री श्यामा श्याम री

2--इस झूठ का संग करके, अपना वतन दिया है विसार
प्रीतम के चरण कमल, सखी री आतम के आधार
अपना ठिकाना,श्री निजधाम री

3--पिऊ प्यारे ने दीन्हा, हमे ये इलम जगाने को
उठ नींद निगोड़ी से, आये कंत बुलाने को
चलना है उनके संग,अक्षर पार री
अपने धनी की तू,अंगना नार री

भजन

तर्ज– रंगन वालिया रंगीला मेरा तन रंग दे

क्यों न होवे प्रेम उन्हानूं,जेड़े पिया दे आशिक ने
जेड़े पिया दे आशिक ने,जेड़े पिया दे आशिक ने

1–इश्क दा जाम बड़ा है निराला,ऐहनूं पीवे निसवत वाला
जिनें पीता प्रेम प्याला,ए सुख ओइयो जानदे

2–इश्क ब्रह्मसृष्टि दी है रीत,दुनिया की जाने ए प्रीत
जिनां लाई धनी नाल प्रीत,ए सुख ओइयो जानदे

3– इश्क सुहागिन दा है गहना,बिना इश्क वी की ए जीना
फिर तां की है उनांदा कहना,जेड़े पिया दे आशिक ने

4– जाम ते जाम पिला दे साकी,न रवे होश फिर बाकी
तेरी माया वेखी काफी,हुन तां गले लगा लो जी

5– आशिक दी एहयो पहचान,धनी ते होंदे ओ कुरबान
अपनी जान वी देंदे वार,जेड़े पिया दे आशिक ने

भजन

तर्ज–सूरज कब दूर गगन से

जब मेहर पिया करते हैं, आत्म निर्मल करते हैं
जब मेहर धनी करते हैं, तो दिल को अर्श करते हैं
ये सागर तो...मेहर का सागर है
निसवत का यह सागर है

1–दुःख से पिऊ जी मिलसी,सुखें न मिल्या कोए
अपने धनी का मिलना,सो दुःख ही से होए
दुःख ने ही विरह जगाया,विरह ने इश्क उपजाया
तेरी मेहर से ही हमने,है अखण्ड सुख ये पाया

2– है मूलमिलावा अति सुन्दर, जहाँ बैठी मेरी परआत्म
सुन्दर सिहांसन राजस्यामा जी, की शोभा कितनी अनुपम
जुत्थ चालिस में बैठीं हैं,पिया संग तेरे रहती हैं
इस माया ने हमें भुलाया,तेरी मेहर ने जगाया

3– श्री महामति कहे ए मोमिनों, ए मेहर बड़ा सागर
सो मेहर हक कदमों तले, पियो अमीरस हक नजर
पिया दूर नहीं रूहों से,रूहें नहीं दूर पिया से
हक चरणों तले वैठी हैं,हुई मेहर हम सबन पे

भजन

तर्ज–दुनिया करे सवाल

कोई आ सको तो आइयो समया ये आखिरी
खिन की विलम ना कीजियो समया ये आख़िरी

1–उठना है हंस के धाम मे, ऐसा यतन करें
अब कहनी सुननी ना रही, रहनी पे पग धरें
झूठी उम्मीद छोड़ियो.....

2–हम तन है प्राणाधार के, उनसे जुदा नही
इस वास्ते यूं भूलना, वाजिब तो है नही
चरणों से बंध बांधियो.....

3–विरह जगे जो धाम का, तो बात कुछ बने
हक इलम और ईमान से, कुर्बानियां करें
सिनगार इश्क साजियो.....

भजन

गुनाह तो जब हो जो हम तुम्हारे अंग ना हो
हमारे दिल मे हो आप तो गुनाह कैसे कहें

1 मेरी रूह है तुम्हारे चरण ऐ मेरे धनी
चरण जिस दिल मे हो तो गुनाह कैसे कहें

2 भुलाया तुमने था याद भी तुम्ही दिलाते हो
सब कुछ हो तुम ही तुम तो गुनाह कैसे कहें

3 ये बात रूह की है रूह से तुम्ही कही है खसम
गुनाह रूह को कहें तो गुनाह कैसे कहें

भजन

जागो अने जगाओ फुरमान है धनी का
अभियान को चलाओ ये काम है धनी का

1– श्री प्राणनाथ जी ने ये जागनी अभियान चलाया
सत की राह पे चलना आके हमें सिखाया

2– तन मन और धनसे सेवा जिन्होंने कर ली
उन मोमिनों के ऊपर सदा मेहर है धनी की

3– करते हैं काम अपना शोभा हमें हैं देते
सुख अर्श के दिखा कर संकट हैं हर लेते

कव्वाली

तर्ज–पर्दा उठे सलाम हो जाये

जब धनी मेहरबां हो जाये, अपनी रूह पे कुर्बान हो जाए
धाम धनी मेरे मेहरबान, प्राण पिया रूह पे कुर्बान
मेहरबां मेहरबां मेहरबां

1–होती हैं रूहें जब दिलगीर तुम बिन,
होते हैं प्रीतम भी बेताब उन बिन
तुम हो दरिया मौज हैं हम, किस तरह हम जुदा हो जायें

2– अपने साहेब का है फुरमान ये ही,
शाद तूं एक बार कर तो सही
हम बुलाये वो न आये, किस तरह ये आसान हो जाये

3– नूरे जमाल इश्क सुराही लायें,
जाम रूहों को प्रीतम आप पिलायें
दिल हो मेरा इश्क तेरा, जामे इलाही में हम खो जायें

4– तेरी रहमत का ना है पार कोई,
तेरी उल्फत से न इन्कार कोई
तेरी मेहर बढ़ती जाये, बढ़ते बढ़ते सलाम हो जाये

भजन

कौन कौन गुण गायें तेरे,
कौन कौन गुण गायें

1–कौन से मुख से गुण तेरे गायें
सब गुण तेरे मन को भायें

2–गुण के भरें है श्री जी मेरे
चरणों के जल से मल मल नहायें

3–श्री जी मेरे दयालु बहुत है
बिन मांगे ही सब कुछ पायें

4–आंख उठा के कोई देख सके न
अपनी अंगना पे बल बल जायें

VIDEO Play AUDIO

भजन

जाग री- मेरी सुरत सुहागिन
जो जागे सो पिया की प्यारी,
पावे अटल सोहाग री-
जाग री-

1-रैन गई अब काहे को सोवे,
नींद निगोड़ी त्याग री
जाग री-

2-बांह पकड़ पिया आप जगावन,
धन -धन पूरन भाग री
जाग री-

3-चलो री सखी सिनगार सजो री,
रल मिल खेले फाग री
जाग री-

4-कहत मुकुंद धनी मिले हमसो,
जगत प्रीत को त्याग री
जाग री-

भजन

जाग जरा ओ सोने वाले,वक्त का कर कुछ ध्यान तू
तेरे प्रीतम दूर ना तुझसे, कर उनकी पहचान तू
जाग जरा ओ..

1– क्या रखा है इस दुनिया में,जिसको कहता मेरी है
झूठ ही झूठ है इस नगरी में,काल की इसमे फेरी है
नकली है यहां रिश्ते–नाते ,असल की कर पहचान तू
जाग जरा ओ

2–आए है जो प्यार में तेरे,छोड़ भला कहां जायेगें
जब तक हम ना जाग सकेगें,वापस वो भी ना जायेगें
इस चोले में संग है तेरे,अब तो कर पहचान तूं
जाग जरा ओ..

3–मोमिन कहते है अपने को,मोमिन का क्या काम है
हर पल है दीदार धनी का,सेवा उनका काम है
निन्दा चुगली गर करता है,काफर उसको जान तूं
जाग जरा ओ..

भजन

क्या बताएं नूरी दर की दास्तां
हो रहे चर्चे वाहेदत के जहां

1–जिस पर हो जाए धनी की इक नजर
मस्त वह अलमस्त रहते है बशर
लब पे रहता है सदा हक का बयां
2–जिस तरफ देखो उधर ही प्यार है
सेवा बंदगी ही धनी से प्यार है
पी रहे है वानी का सब रस यहां
3–रात दिन है जिकर निज धाम का
मेहर के सागर श्री श्यामा श्याम का
दर असल श्रीजी साहेब ही हैं मेहरबां
4–ये हकीकी रतन दरबार है
आंख वालों को होता दीदार है
पाक दर यह छोड़ कर जाएं कहां

भजन

तर्ज–भूल जा मुझको मैं तेरे प्यार के काबिल

क्यों दिखाया ऐसा आलम,रूहों के काबिल नही
ये वो बस्ती है जहां,कोई खुशी हासिल नही

1–मेरी निसबत आपसे है,क्यूं हुए हम बेखबर
कैसी मदहोशी है जिसमे ,होश मे ये दिल नही

2–वास्ते हम इश्क के ही भूले है अपने धाम को
इश्क ही मंजिल है अपनी, और कोई मंजिल नही

3–है ये कैसी बेबसी यहां जो हमे तड़पा रही
आप चाहो तो छुड़ा लो, ये कोई मुश्किल नही

भजन

तर्ज– क्या करते थे साजना

क्या कहना है मेरे पिया,तुम जब हो साथ मेरे
हम तो कहे बिना ही तुमसे,सबकुछ ही पाया करतेहै
अब समझे हम मेहरबां,क्या है ये लाड तेरे
न्यामते अर्श की हमेशा,आप लुटाया करते है

1–अब समझी मैं लीला तुम्हारी
कहती हूं प्रीतम हारी मैं हारी
चुपचाप तुमको ही देखती हूं
दूल्हा हो तुम मैं दुल्हिन तुमारी
चरणो तले बैठे हे,हम क्यों कर कहें जुदा तुमसे हम
तेरे साथ रहा करते है,तुमको ही चाहा करते है

2–नजरो से तेरी इश्क पिया है
अरस परस सुख हमने लिया है
जाने वही वो जिसने दिया है
या जाने वो जिसने लिया है
क्या चीज है तेरा इश्क,कहनी मे जो आता नही
मदहोश रहा करते है,तुमको ही चाहा करते है

भजन

तर्ज–गुजरा हुआ जमाना आता नहीं दुबारा

गुजरा हुआ जमाना याद आया फिर दुबारा,
देखा था जो नजारा–2

1– महफिल सजी हुई थी,हम भी वहां पधारे
सबको पिला रहे थे,हमको किए इशारे
बस एक ही नजर में नजरों का तीर मारा

2– बैठक थी रात दिन की,बातें हजार होतीं
जो वक्त पे न पहुंची,वो जार जार रोती
अब याद आ रहा है गुजरा अतीत प्यारा

3– देखो वोह आ रहे हैं,हाथों में जाम लेकर
कोई रह न जाए बाकि,पूछें वो सबको देकर
हमसे रहा गया न फिर ले लिया दुबारा

VIDEO Play AUDIO

भजन

किसी बात की न कमी रही हुआ, जब समय वाणी फजर
ये तेरी मेहेर–२
सब राह माया की भूल कर हमें याद आया अपना घर
ये तेरी मेहर
१ है अखंड न्यामत धाम की, मेरे धनी श्यामा श्याम की
जो गैब खिलवत अपनी है, उसकी हुई तुमसे ख□बर
ये तेरी मेहर
२ हमें खेल में बैठाए के, लेकिन फना से बचाए के
सुन्दर सरूप हो धाम के, रखते सदा हम पर नजर
ये तेरी मेहर
३ कई तुमको ढूंढ फना हुए, नहीं पारब्रह्म को पा सके
जिनको मिला दर्शन तेरा, तो खत्म हुआ उसका सफर
ये तेरी मेहर
४ केती कहूँ मेहरबानियां, लिखी भांत भांत निशानियां
निजधाम दरवाजा खुला, कोई नहीं राखी कसर

गज़ल

जादू सा मुझ पे हो गया इक तेरे प्यार का
देखा है जब से जलवा नूरी दीदार का

1- निज चरणों में बिठाना रस प्रेम का पिलाना
वानी मधुर सुनाना कुलजम के सार का

2- इक बार फिर दिखा दे दिल की लगी बुझा दे
प्याला तू वो पिला दे इश्के प्यार का

3- जिस पे मेहर तू कर दे प्यार से झोली भर दे
अंगना को सुख दिया अंगीकार का

4- अंगना हूं मैं तेरी सुन लो पुकार मेरी
अर्श अजीम में उठा दो जलवा दिखा दो नूर का

भजन

तर्ज–एहसान तेरा होगा मुझ पर

गुण अपने धनी के याद करो,
तुम चरण पिया के दिल में धरो
इन चरणों से ही निसवत है,
निसवत की तुम पहचान करो

1– एक गुण जो याद आवे,
अरवा तब हीं निकस के जावे
परआतम के सुख अपने वो,
जो भूल गए उन्हें याद करो

2– गुण अनगिन हैं गिन नहीं पाए,
पिया के गुण तो बढ़ते जायें
सुख अर्श के वाणी में लाए,
वो अपने सुख अब याद करें

3– जाग देखो ये सुख जागनी,
आप जगायें धाम धनी
आंखे अपनी रूह की खोलें,
न पल भर की अब देर करें

भजन

तर्ज– कर चले हम फिदा जानो तन

हादी के कदमों पर अब चलें साथियो
जाग कर जागनी अब करें साथियो

1– छल कपट की दुनियां में आ ही गये
खेल घर जैसा है धोखा खा ही गये
तोड़ बंधन चलें अपने घर साथियो

2– आए हमको जगाने जागनी रत्न
बिछुड़ी रूहों का आकर कराया मिलन
मिलके धाम धनी संग चलें साथियो

3– वादा धाम का पूरा करना हमें
भूल जाऊं अगर तुम बताना हमें
दूर नफरत दिलों की करें साथियो

4– अपना इक है धनी अपना इक है वतन
हम अर्श की रूहों का इक है खसम
एक है एक होकर चलें साथियो

कव्वाली

गर उठा दो आज पर्दा दुई की दीवार से
देख लें जी भर के हम भी आज तुमको प्यार से

1– है तड़फ में यहीं हसरत तेरे ही दीदार की
खाली जायेंगे भला हम कैसे इस दरबार से

2– जहे किस्मत साथ दे दीदार हो महबूब का
भर के झोली प्यार की ले जायेंगे भण्डार से

3– तूं अगर आ जाये तो मिट जायें सब रूहों के गम
पूर सकून मिल जायेगा फिर तेरे दीदार से

4– हालें दिल आज सुनायेंगे अकेले बैठ कर
आज फिर से होंगी बातें राज की सरकार से

भजन

तर्ज– दिल दीवाना बिन सजना के

क्षर के पार है अक्षर भूमि,अक्षर पार वतन अपना
मूल मिलावे में,रूहें देख रहीं सपना

1– फरामोशी का पर्दा डाला,सुरता रूहों की फिराई
पहले पहल वो खेल देखने,बृज भूमि पर आई
संग रूहों के आके धनी ने,कौल निभाया है अपना
2– ग्यारह साल तो इश्क में बीते,बावन दिन रूसवाई
बंसी सुन फिर योगमाया में,रूहें दौड़ी आई
रास धनी ने ऐसी रचाई,अक्षर को भी सुख दीन्हा
3– बृज और रास के खेल को देख के,रूहें नहीं अघाई
इश्क रब्द करके प्रीतम से,इस माया में आई
इस माया ने सब कुछ छीना,जो भी था असल अपना
4– जागो अणे जगाओ का,फुरमान थनी ले आए
इश्क इलम दे देकर प्रीतम,अपनी रूहें बुलाये
माया द्वोड़ो सुरता मोड़ो,अपने अर्श में चल रहना

भजन

कैसे पड़े पिया बिन चौन
विरहिन तलफत है दिन रैन

1-जो विरहा न सहे एक खिन का,सो सौ बरस कैसे जाये
बीच जुदाई मोहे नही भाये, रूह चाहे मिलूं आये रे

2-सुख घर के अब याद आये,पिया बिन कछु न सहाये
जाने कौन घड़ी वो होगी, जिस घड़ी मिटे अन्तराए रे

3-ये अन्तराए पिया मेरे टालो, मिलो परआतम उठाये
परआत्म में मिलूं प्यारे पिऊं सो, पूरन रंग रमूं आये रे

भजन

जाम पर तूं जाम मुझको,ला पिला दे साकिया
होश क्या एहसास क्या,दुनिया भुला दे साकिया

1– मुस्कुराती चीज ये मुझको पिला तू इस तरह
जो तहलका सा मेरे दिल में मचा दे साकिया

2– जिंदगी की गर्दिशों ने कर दिया मायूस दिल
राह मुझको बेखुदी की तू दिखा दे साकिया

3– जाम का रिश्ता है साकी मयकशी के होंठ से
दूरियां नजदीक आकर के मिटा दे साकिया

4– घोल दे मस्ती भरी नजरों को अपनी जाम में
नूर को तू नूर में अब तो मिला दे साकिया

Play ▶

भजन

तर्ज-आखिर दिल है न

इस्के गुझ पिया के दिल में,इनमें डूबी रूहें मुतलक
देखें पहले चारो सागर,न है कोई हक दिल माफक
बेहिसाब पिया के सुख को, पाए वोहि पिए जो साकी सराब
जब इस्क तरंगे आयें,नैनों से नैन मिलायें
हक मीठे मुख की रसना,स्यामा जी रूहों को पिलायें
ये ही इस्क,है न...,इस्क है न
ये इस्क है,ये इस्क है,ये इस्क है
दिल से दिल तक की ही मंजिल है

1- ए सुख क्यों कहे जायें,रस भरी पिया रसना के
नैन रसीले प्रेम में भीगे,रूहों के दिल में चुभ जायें
इस्क प्याला रंग रस का पिया,तालू रूह के देते कर प्यार
मासूक का दिल आसिक है,आसिक दिल है मासूक
जब इस्क रूहें मिल जायें,कोई आशिक न माशूक
ये इस्क..

2- ये सागर है पिया इश्क का,गहरा गुझ और गंभीर
बेवरा इस्क वास्ते,खेल दिखाया दिल भीतर
मूलमिलावे में बैठे बैठे,ये खेल दिखाया पिया
ऐसी साहेबी दिखाई बुजरक,रूहों को चरणों बिठाया
इश्क ही के दिल में बिठा कर,इश्क का ही स्वाद चखाया
ये इस्क...

3-इश्के सागर की गहराई में,छिपा गुझ पिया जी के दिल का
इश्क के तन रूहें,पिया ने,अर्श दिल रूहों का है बनाया
इसी अर्श दिल में बैठ पिया,इश्क अपना जाहेर किया
यहीं गुझ है इस्के दिल का,करें जाहेर मांहे खिलवत
याद आवे जब खिलवत की,इस्क में भीगे निसवत
ये इस्क...

4-इस्के सागर में ऐसे जाती हैं,रूहें पिया की सबमिलकर
खीर सागर में एकदिल होकर,सिनगार विरह का सजकर
इक दूजी का सिनगार सजें,पिया चाहें सबको ज्यादा
दधि से फिर नूर में आवें,पिया मिलन को तड़पी जावें
नूर से फिर घृत सागर,पिया सब रूहों को ले जावें
क्यूं..ये इस्क है..

भजन

तर्ज–जिनके सपने हमें रोज आते रहे

जिनके सजदों में झुकता हमारा ये सर, चरणों में बसर
वो ही रामरतन(जागनी रतन) सतगुरू हो तुम्हीं
जिनके दर्शन से सब सुख मिलने लगे,दुख मिटने लगे
वो ही...

1– नाजनीं जलवे आपके बिखरे यहां,और इश्क के नगमें बजते यहां
जिनके नगमों पे रुह लहराने लगी,गुनगुनाने लगी

2– बेपनाह मुहब्बत दी आपने,बेपनाह इनायत की आपने
अर्श से उतरे हैं बादशाह मेरे,शहनशाह मेरे

3– दुनियां वालों को दुनियां के रतन मिले,हमको तो हकीकी रतन मिले
सब रतनों से न्यारा मेरा रतन,ले जाये वतन

4– जिस गुलशन को महकाया था आपने,उसमें रंग भरे हैं सरकार ने
सींचा अमृत से आपने हर फूल को,रहते सनकूल हो

भजन

जिस पर अपनी मेहर मेहरबान करे
पिया के दिल की लीला वो ब्यान करे

1- रूह के नैनों पिया को देखें
सुने पिया की बात
मुख मीठी रसना से बोलें
पिया के दिल की बात
रस रसना के सुख सारे रूह दिल में भरे
2- जिनकी निसवत पिया के दिल से
वो खिलवत में रहती हैं
इश्क की लीला उन्हीं रूहों से
मारफत वो लेती हैं
उन्हीं के दिल को रोशन सुभान करें
3- हुकम इलम पहचान पिया की
मेहर बिना न होती है
दोऊ विध है इश्क इलम की
लज्जत रूहें लेती हैं
बेशक इलम को लेकर पहचान वो करें

भजन

तर्ज–दिल लूटने वाले

जिंद देके जे ओदा प्यार मिले, तां फिर वी सौदा माड़ा नही
सिर देके जे सरकार मिले, तां फिर वी सौदा माड़ा नही

1–जेड़ा झिड़का झम्बा सह जावे, दर उसदा मल के बै जावे
हर वेले पई फटकार मिले
तां फिर वी .....

2–भूल जा तू झूठियां शाना नू, छड़दे सब मान गुमाना नू
भावें जीत दे बदले हार मिले
तां फिर वी.....

3–गम सिर ते चाने पैन्दे ने, कई चक्कर लगाने पैन्दे ने
सौ जन्मा दा इकरार मिले
तां फिर वी.....

4–ए प्यार लगाना सौखा है, पर प्यार निभाना औखा है
सिर दे के जे सरकार मिले
तां फिर वी.....

भजन

जो इश्क के सागर में डूबे,
अपनी मंजिल तक आ पहोंचे...
बेखुदी की राहों पर चलकर,
अपनी मंजिल तक आ पहोंचे ...

1–जो बसते है मयखानों में,
और इश्क सुराही में डूबे...
पीकर साकी के हाथों से,
अपनी मंजिल तक आ पहोंचे ...
2–जो आशिक है बिना ख्वाहिस के,
प्रीतम की इबादत करते है...
जो प्रीतम है बिना याद किए,
आशिक के दिल तक आ पहोंचे ...
3–दुःख दर्द की लहरों पर आशिक,
बेखोफ गुजारा करते है...
वो इश्क नही जो मोजौ से,
डरकर मंजिल तक ना पहोंचे...

भजन

तर्ज–मुझे तेरी मुहब्बत का सहारा

जो आशिक हैं पिया तेरे,नशे में झूमते रहते
न होते दूर इक पल भी,तुझे ही देखते रहते
1–है जिनकी ताम नजर तेरी,
वह रहते मस्त नजारों में
न रहती होश कुछ उनको,डूब जाते बहारों में
नजर वो ही हमें दे दो,न अब कुछ और हैं चाहते
2– हुई गर भूल इक हमसे,
मेहरबां भी धनी तुम हो
हुकम को फिर हुकम दे दो,धनी चरणों में तुम ले लो
जुदायगी न सहन होती,यहीं फरियाद करते हैं
3– है निसवत हम पिया तेरी,
तो फिर क्यूं है ये रूसवाई
है देखा इश्क भी तेरा,और तेरी खुदाई भी
हार मानी पिया हमने,खेल अब तो उठा लेते
4– सितम अब इस जमाने के,
सहे हमसे नहीं जाते
जहां तुम हो वहां हम हैं,जुदा अब हम न रह पाते
लौट चलिए धाम अपने,जहां हम साथ हैं रहते

भजन

तर्ज–जिस दिल में भरा था प्यार मेरा

जिस दिल में भरा था इश्क तेरा,वो दिल क्यूं माया से जोड़ दिया
जो नजर सदा सुख लेती थी, उस नजर को खेल में मोड़ दिया

1–आनंद अंग के हम अंग पिया, तेरी मस्ती में हम तो रहते थे
नई नई अदाओं से तुझको, हम रोज रिझाया करते थे
आनंद अंग का क्यूं मेरे पिया, इस झूठ से नाता जोड़ दिया

2– तेरी राहों पे चलते चलते, ये माया पछाड़ गिराती है
पर तेरी मेहर मेरे प्रीतम, तेरे पास मुझे ले आती है
इस तन से न क्या क्या गुनाह हुए, क्यूं न इस तन को छोड़ दिया

3– ओ पर्दा नशीं पर्दा ये हटा, पर्दे में जी घबराता है
अब धाम के हमको वो रंग दिखा, जिनके लिए जीया तरसता है
तेरी नजरों से जो पीते थे, उनको क्यूं प्यासा छोड़ दिया

ऐसा आवत दिल हुकमें

ऐसा आवत दिल हुकमें, यों इस्कें आतम खड़ी होए।

जब हक सूरत दिल में चुभे, तब रूह जागी देखो सोए।।

नींद उड़े रहे न सुपना, और सुपने में देखना हक।

मेहर इलम जोस हुकमें, हक देखिए बेसक।।

रूह तेती जागी जानियो, जेता दिलमें चुभे हक अंग।

जो अंग हिरदे न आइया, रूह के तेती फरामोसी संग।।

मोहे दिलमें हुकमें यो कह्या, जो दिलमें आवे हक मुख।

तो खड़ा होए मुख रूह का, हकसों होए सनमुख।।

महामत हुकमें केहेत हैं, जो होवे अर्स अरवाए।

रूह जागे का एह उद्दम, तो ले हुकम सिर चढ़ाए॥

भजन

तर्ज–वो दिल कहां से लाऊं

जी भर गया जहां से,वापिस हमें बुला लो
दर दर की ठोकरों से,प्रीतम हमें बचा लो

1–झूठी ये दुनिया सारी, जालिम है ये जमाना
दुख दर्द की है मारी,इसका है ये फसाना
मत पूछो दिल की हालत,बस चरणो में बुला लो

2–सच ही कहा था तुमने, देखोगी क्या जमाना
झूठे ही मोह में फंसकर, हमको है भूल जाना
तड़पे तुम्हारी याद में,आओ पिया बचा लो

3–मुश्किल है तुम बिन हाय,इक पल यहां बिताना
तोबा ये अब हमारी,यहां फिर कभी न आना
या सामने आ जाओ,या हमको ही बुला लो

भजन

तर्ज–तेरे नाम के सिवा कुछ याद नहीं

जो प्रीतम की प्यारी रहे,वो चौदे तबक से न्यारी
एक धनी को याद रखे,भूले दुनियां सारी
उसे पिया के सिवा कुछ याद नहीं

1– पिया पिया करती रहती है,वो तो दिन और रैना
पिया का मिले दीदार,तरसते रहते उसके नैना
एक झलक मिल जाए पिया की,और नहीं कुछ चाहना
उसे पिया....

2–पिया के इश्क के एक जाम को,रहती वोतो तरसती
जब वो पिलायें जाम नजर से,नहीं उतरती मस्ती
उसी जाम की मस्ती में,वो खो जाती हैं इतना
उसे पिया....

3–अर्ज करे अंगना इतनी,सदा इश्क में गर्क ही रखना
जी न सकेगीं कभी भी,उसको चरणों से दूर न करना
निसवत आपसे मेरी प्रीतम,हम हैं तेरे सहारे
खिलवत में पिया अब तो उठा लो,तुम ही प्राण हमारे
उसे पिया....

भजन

हीर....

जिस माया दी खातिर तकरार कीता
उस माया ने हालों बेहाल कीता
असीं कुछ वी नहीं सी तेरे इश्क बिना
जिस गल दा असां ने मान कीता
1– इक पल न जुदा होये सी कदे
ऐथे लम्बीयां जुदाईयां पै गईयां
मुख माशूक दा वेखण नूं
तेरिआं रूहां ने तरस गईयां
2–तेरे चमन दी इक इक कली विखरी
वखो वख कबीलयां विच पै गईयां
लाडलियां लाहूत दियां
ऐथे जालमां दे वस पै गईयां
3–इक पल न पिया ने वी चौन पाया
माया दे जुल्म ओ वी सह रहे ने
अपने तनां तों वख नहीं हो सकदे
लै के आतम दा दरद तड़प रहे ने

भजन

तर्ज–साजन मेरा उस पार है

जिनको धनी पे ऐतबार है,
मिलता उन्हीं को ये प्यार है

1– बीत गया है गम जुदाई का,
अब हमको डर कैसा तन्हाई का
रूहों को जिसका इन्तजार है,
आज मिली वोह बहार है
2– जिनकी चाहत में अखियां तरसी हैं,
जिनसे मिलने को बरसों बरसी हैं
आज हुआ उनका दीदार है,
जो हमारे सरकार हैं
3– जलवा वोह नूरी जब दिखायेंगे,
इक दूजे में हम खो जायेंगे
चरणों में उनके ही करार है,
अंगना धनी पे निसार है

भजन

तर्ज–ये माना मेरी जां

तौबा तौबा इश्क वाले,इश्क वालों का ये हाल
खेल मे आके इन्हे,पछताना ही पड़ा
रोका था ना जाओ,ना जाओ मगर
जिद मे ऐसी अड़ी,कि तुम्हे लाना ही पड़ा

इश्क रब्द की धूम मचा दी,
न चाहते हुए भी लाना ही पड़ा है
हमारी ये मांगें पूरी करो जी,जो
दुख तुमने मांगा दिखाना पड़ा है

1–बहलना ना चाहो, बदलना ना चाहो
तुम तो मचल के, संभलना ना चाहो
चाहत तुमारी ये क्या रंग लाई
तुम्हे क्या हमे दुख तो उठाना पड़ा है

2–श्यामा जी ने भी दिया साथ तुम्हारा
जुदा हमको जाना,समझा के हारा
तुम अंग मेरे,तुम्हारी ही खातिर
चरकीन में संग आना पड़ा है

VIDEO Play AUDIO

3–तुमने तो अपना घर है बसाया
हमने बसे हुए घर को जलाया
जेल काटी, फांसी भी सुनाई
पत्नी छोड़ी वो अपनी फूलबाई
अर्श में तुमने क्या क्या न कहा मुझको
लाड मे ए की आवाज लगाई
इश्क न समझा साहेबी न जानी
चुनौती दी ऐसी,आजमाना पड़ा है
4–करीब ना आते,घर की रट लगाते
आशिक कहाते ना आशिकी निभाते
इश्क दिखाओ, नजर तो मिलाओ
मैं तो यहां हूँ घर क्या पड़ा है
5–तुमारी खातिर घूम रहा हूं
दिन रात तुमको ही ढूंढ रहा हूं
अब आ भी जाओ, अब ना सताओ
चलो अब चलें मैं तो कब से खड़ा हूं
6–तुमको तो अपने कबीले ये झूठे
लगते है ज्यादा हमसे भी मीठे
पंद्रह दिनों से पांच अब किये है
जा जा के हमको फिर भी बुलाना पड़ा है

गज़ल

जिनके होठों पे हंसी,पांव में छाले होंगे
हां वहीं लोग,तेरे चाहने वाले होंगे

1–मय बरसती है रूहों पे नशा जारी है
मेरे साकी ने यहाँ जाम उछाले होंगे

2– शमां ले आए हैं हम जलवा गर जाना से
अब दो आलम में उजाले ही उजाले होंगे

3– हम बड़े नाज से आए थे तेरी महफिल में
क्या खबर थी लबे इजहार पे ताले होंगे

भजन

जागो जागो सईयो जगाने वाले आ गए

1– धाम के दुलारे मेरे सतगुरू बन कर आ गए
प्राणनाथ आ गए
जागो जागो...

2– अखंड खजाना मेरे सतगुरू लाए
अपने साथ पे रहे लुटाए
लूटो लूटो सईयो लुटाने वाले आ गए

3– इश्क का सागर पिया जी ल्याए
अपने साथ को रहे पिलाए
पी लो पी लो सईयो पिलाने वाले आ गए

4– ढूंढ ढूंढ कर साथ को लाए
परमधाम वोह हमें दिखायें
देखो देखो सईयो दिखाने वाले आ गए

5– माया ब्रह्म का भेद बताए
झूठे बंधन रहे छुड़ाए
छोड़ो छोड़ो सईयो छुड़ाने वाले आ गए

भजन

तर्ज–जहां डाल डाल पर सोने

जहां कण–कण में ही नूर भरा,है शोभा अपरम्पारा
वो परमधाम है हमारा

1–कहीं फूल बाग कहीं नूर बाग,कहीं कुंज निकुंज सुहाना
है पाट घाट और सात घाट, फिर चांदनी चौक सुहाना
शोभा इनकी न मुख से हो, लगता है कितना प्यारा
वो परमधाम है हमारा..

2–आती है बहारें इच्छा से, और वृक्ष भी सजदा बजायें
पसु–पंखी वहां के मिल जुल कर, हैं गीत पिया के गायें
दिन रात पिया के दर्शन होते, बोलें जय–जयकारा
वो परमधाम है हमारा..

3–है मूल मिलावे की शोभा, अति सुन्दर अधिक निराली
श्री राजश्यामा जी बीच विराजे, सखियां बैठी खुशहाली
सुरता से देखें शोभा को, होता है अजब नजारा
वो परमधाम है हमारा.

गज़ल

जमाने को खबर क्या है यहां क्या बात मिलती है
फक्त सजदे में सतगुरू के इलाही बात मिलती है

1–यह वोह दर है यहां भेद नहीं जाति पाति का
यहां पर सोई आत्म को निजघर की बात मिलती है

2– यहां पर सुख अर्श के मिलते हैं मुतलकी होकर
हुई महबूब की नजरें करम रूह की नजर खुलती है

3– खुले जो रूह की नजरें मिलें तब प्राणों के प्रीतम
मेरा दिल अर्श है तेरा कली तब रूह की खिलती है

4– पिया के चाहने वालों न भटको सब इधर आओ
मेरे प्रीतम की रहमत से हक की जात मिलती है

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज–उनके ख्याल आए तो आते चले गए

जी भर के आज आपका दीदार कर तो लूं
कदमों में आके इश्क का इजहार कर तो लूं

1– इश्के हैयात हमको पिलाइये मेरे हजूर
दिल की बेताबियों पर इख्तयार कर तो लूं

2– दस्ते करम बढ़ा कर हमें थाम लीजिए
मदहोश अपने आप को सरकार कर तो लूं

3– तुमसे बिछुड़ के हम तो पशेमां बहुत हुये
दर्दे जिगर की बातें दो चार कर तो लूं

4– इश्के सैलाब आपका यूं ही रहे रवां
अपनी नजर में आपका ये प्यार भर तो लूं

भजन

तर्ज–तुझको पुकारे मेरा प्यार

हम तो हुए गुन्हेगार,
अब तो माफ करो मेरे पिया जी

1– लेना था हमको झूठ के बदले सुख अखण्ड तुम्हारा
कुर्बानी में काम न आया पिंड ब्रहमाण्ड हमारा
जीती बाजी गए हार
अब तो माफ करो

2– दिन के उजाले में भी न पहचाने पिया जी हम तुमको
दुख खालत है ये ही धनी जी रह रह के हमको
आड़ा भया रे अहंकार
अब तो माफ करो

3– तुरंत जगाए वचन ये जाग्रत अपने धनी के
अचरज है झूठा तन लेकर क्यूं रूह खड़ी ये
छूटे न अंग विकार
अब तो माफ करो

VIDEO Play

AUDIO

भजन

ईमान कायम रखना, जब तक कि मैं न बुलाऊँ

1- वाणी तुम्हें जो दी है,वाणी में सब कहा है
हादी कदमों पे चलना,जब तक...

2- मैं तो छिपा हूँ तुमसे,न दिखता नजर से
रूह की नजर से तकना,जब तक...

3- ये दिल कभी न रोए,हम तुम जुदा न होए
आंसू छिपाए रखना,जब तक....

4-ये वक्त इम्तिहान का है,सब्रो करार दिल का
सांसे बचाए रखना,जब तक...

5- प्राणों के मेरे प्रीतम,आत्म आधार तुम हो
सब एक हो के रहना,जब तक....

भजन

हम तो पहले ही यूं मजे में थे,
यह माया किस लिए मांग ली
हमें दर्दो गम का पता न था,
ये जुदाई किस लिए मांग ली

1–तेरे इश्क की मस्ती में मस्त,
रहते थे हम शामो सहर
तेरी नजरों में हम कैद थे,
रिहाई किस लिए मांग ली

2–कभी जमुना जी में झीलना,
कभी सैर की सुखपाल में
थी बहारें तेरे कदम तले,
ये खिजायें किस लिए मांग ली

3– जितने रूहों के तन पिया,
उतने ही तेरे रंग वहां
सुख लेते थे पिया आपका,
ये तन्हाई किस लिए मांग ली

गज़ल

जिद है के कभी हम भी तुझे मिल के रहेंगे
कुछ तेरी सुनेंगे और कुछ अपनी कहेंगे

1– माना कि तुम शहजोर हो और हसीन हो
कम हम भी नहीं आओगे जब आह भरेंगे
2– यह तुमको इजाजत है सद जुल्म करो तुम
आशिक है तो सब अपने दिलो जां पे सहेंगे
3– जब तुमको मेरी आंख नजरबंद करेगी
तब दिल में उतारेंगे तुझे प्यार करेंगे
4– कभी मिलके जो बिछुड़ोगे परेशान रहोगे
आंखों से मेरे आंसू के दरिया से बहेंगे
5– यह अजम है प्रकाश तेरे होके रहेंगे
मरना तो यकीनी है तेरे दर पे मरेंगे
6– गर तुम हो निगेहबान तो जरा रंजो गम नहीं
दुनियां ए बेखलूस से फिर क्यों हम डर के रहेंगे

भजन

तर्ज– बहुत प्यार करते हैं तुमको सनम

इश्क के सागर हैं मेरे खसम
करते पिया तुम,करम पे करम

1– पिया तुम हो सागर,लहरें हम तुम्हारीं
न जायें सही अब ये दूरी तुम्हारी
कर दो पिया तुम,खेल ये खत्म

2– अगर आप चाहो तो पल में जगा लो
नजर ये हमारी जहां से हटा लो
न लो अब हुकम का,बहाना खसम

3– कैसी हुई पिया हालत हमारी
बढ़ती ही जाये ये बेकरारी
रहेगी ये जब तक,मिलेंगे न हम

4– चाहत हमारी है इश्क तुम्हारा
ना जिसके बिना अब जीना गंवारा
तुम्हें यूं ही चाहेंगे,जब तक है दम

भजन

तर्ज–वोह देखो जला घर किसी का

हम तो इश्क की बाजी हैं हारे, खो गए है अपने वो नजारे
अब तू ही बता ए मेरे पिया, कहां जायें इश्क के मारे

1– इधर रो रहीं तेरी रूहें, उधर तुम भी तो रो रहे हो
ले तो आये हो हमको यहाँ, पर अब पशेमां खुद हो रहे हो
ये अंगना के लाड किससे करें, अब तूं ही बता प्राण प्यारे

2–हंसना रोना है तेरे हुकम से,तड़पना मिलना है तेरे हुकमसे
रूह की रहनी करनी हुकम से,तो गुनाह क्यूं है रूहों के सिर पे
दुखी होंगे भला पिया कब तलक, हम गैर नहीं तन तुम्हारे

3– जिन नैनों में तुम थे समाये, अब उन नैनों में इश्क नहीं है
चाहे बैठे हो सामने मेरे, फिर भी मिलने की चाहत नहीं है
तेरी वाणी का भी नहीं होता असर, कैसे हो गए हैं दिल ये हमारे

भजन

जिक्र होता है जब क्यामत का,आखिरी इमाम की बात होती है
मेरी आतम के हैं वो धाम धनी,उनसे अंगना की बात होती है

1–सोई साईत सोई पल सोई घड़ी,
हम समझते हैं सदियां बीती हैं
रोज नजरों से उनकी पीते थे,आज वाणी का जाम पीती हैं
जानकर तुमने अर्श की निसवत,मेहर रूहों पे खास होती है

2– माया के तन वो ले के बैठे हैं,
बातें करते हैं हमसे खिलवत की
मैं खुदी को मिटायेंगे मोमिन,हुई पहचान अपने प्रीतम की
देखने को उनका तन है यहां,सुरता अक्षर के पार होती है

3– मैं हूँ तेरी धनी तुम हो मेरे,
तुझको पाकर और तुझसे मांगू क्या
मांग भर दी तुम्हीं ने जब मेरी,अब सुहागिन हूं और चाहूं क्या
इश्क की लज्जत जब मिली रूह को,श्यामश्यामा से बात होती है

भजन

तर्ज– बहुत प्यार करते है

इश्क मेरी रूह का है तुमसे खसम
पता तब चला जब मिला यह इलम

1– इलमें लदुन्नी से पहचान की
मेहर महबूब ने मुझ पर करी
तड़प मेरे दिल की अब होगी न कम

2– तेरे चरणों को मैं चूमती रहूँ
जामें इश्क पी के झूमती रहूँ
कायम हो मस्ती मेरे प्रीतम

3– सुख दोनों ठौरों का तुमने दिया
सदा अरस परस हो मेरे पिया
तू ही तू है मेरे खसम

भजन

जरा सुन ले ओ प्रीतम,मेरे दिल की यही आवाज है
तेरे चरणो से लिपटी रहूं,मेरी आतमा की आवाज है

1–तेरे चरणो पर हो मेरी नजर,मुझे सुबहो शाम की क्या खबर
मेरी सुबह तेरी जूस्तजू, मेरी शाम तेरा ख्याल है

2–होई जब से मुझ पर तेरी नजर,मैं हूं अपने आप से बेखबर
तेरे इश्क में रंहू मैं मग्न,मेरे श्यामा तेरा दीदार हो

3–मेरे दिल में तू समा भी जा,क्यों रहे नजर का भी फासला
अब तेरे बगैर मेरे पिया, मेरी जिदंगी भी मुहाल है

भजन

जहां गम से चैनों करार है,वो आपके है कदम पिया

जहां प्यार ही बस प्यार है,वो आपके हैं कदम पिया

1 बैठी थी ऐसे फरेब में,मुझको कोई भी खबर ना थी

जहां दूरियों का निशां नहीं

वो आपके------

2 जहां आखरी मंजिल मेरी, वहां आप ले आए मुझे

जहां बेहदी दीदार हो

वो आपके --------

3 ये रहमतों का मुकाम है, और है सकून की महफिलें

जहां तुमसे इश्के बहार है

वो आपके -------

4 मेरे दिल में है ये कदम तेरे, तेरे कदमों में है दिल मेरा

मैं जहां कभी तन्हा नहीं

वो आपके है कदम पिया।

AUDIO
VIDEO
Play

भजन

इस दिल को तूने अर्श बनाया मेरे पिया
ये कैसा इश्के रोग लगाया मेरे पिया

1- मिल ही गये हो मुझको,इस सूनी राह में
बुझता चिराग तुमने जलाया मेरे पिया

2- ये दिल तुम्हारे पास ही पहले से था पिया
अब तुमने मुझको याद दिलाया मेरे पिया

3- अब तो तुम्हारे इश्क में हम ऐसे खो गए
अपनी हर एक सांस में पाया तुम्हें पिया

भजन

तर्ज–एक भूली याद ने फिर दिल मेरा तड़फा दिया

इक हमारी भूल ने ये दुख का खेल दिखा दिया
सोई थी हम नींद में आके हमे जगा दिया

1–चल के आये धाम से हमको जगाने के लिए
क्योंकि निसबत थी हमारी इसलिए अपना लिया

2–आंख भी खुलने न पाई आंख से ओझल हो गये
गुलिस्तां तो है वही माली नया बना दिया

3–आंख वालो को मेरे महबूब की पहचान है
अर्श है मोमिन का दिल वाणी ने ये बतला दिया

भजन

तर्ज– बाबुल का ये घर बहना

इश्क मेरे प्रीतम का,अनमोल खजाना है
जिसको यह दौलत मिली,हुआ जग से बेगाना है

1– प्यासे अरमान लिए,आए तेरी महफिल में
पीने वालों की मंजिल,ये नजरे मयखाना है

2– इश्के दौर चलता रहे,वक्त यूं ही कटता रहे
इन हंसी लम्हों में,खुद को भूल जाना है

3– लब पर हो खामोशियां,और हो तड़प दिल में
अश्कों में न बह निकले,प्यार दिल में छुपाना है

4– आप हबीब हुए,अपने बीमारों के
इश्के गम के मारों का,तेरा दर शफाखाना है

5– हर सहर से पहले शबे गम। आती है
दर्द ब्यां कर डाला,बन जाता फसाना है

गज़ल

हम तो मशहूर हुए है आपकी चाहत में
कितने मजबूर हुए है आपकी चाहत में

1–आप ही आप हो जहां,
न हो कुछ और खबर
खुद से भी दूर हुए है,आपकी चाहत में

2–अपनी निसबत का सिला,
आज हमको है मिला
इश्क मे चूर हुए है ,आपकी चाहत में

3–आपका दीदार मिला,
ना रहा शिकवा गिला
हाजिर हजूर हुए ,आपकी चाहत में

भजन

तर्ज–जाने कहां गये वो दिन

जाने कब आऐगें वो दिन,खेल खत्म होगा जिस दिन
लौट के धाम को जाएगें,खेल ये कैसा है अधखिन
जीवन बिता दिन गिन, अन्त कहां पर पाएगें

1–तेरे बिन पिया यहां, दिन न कटे ना ही रात है
पल पल का जो साथ था, वो न हमारे पास है
अब तो है बस ये लगन,मिल जाए मुझको मेरे खसम
तो पल पल पिया को रिझाएगें

2–इश्क तेरा ले पिया,कूदती थी अर्श में
हाय ये कैसी बेबसी, इस जिमी के फर्श में
आतम का हो परआतम मिलन,पाए अपना मूल तन
तो पल पल पिया को रिझाएगें

3–देखकर हमको दुखी होते, दुखी है आप भी
हाय ये चरकीन तन ले के, उतर आये आप भी
शार्मिन्दगी ये क्या है,यह सोच कर आंखें है नम
कैसे ये नैना मिलाएगें

VIDEO
Play
AUDIO

भजन

तर्ज–हमको तुमारे इश्क ने

हमको हमारी भूल ने आकर रुला दिया
छोड़ा है अपने धाम को,माया में भुला दिया

1– आये थे खेल देखने खुद खेल बन गए
माया के जाल में हम ऐसे बंध गये
आकर के मेहरबां ने बंधन छुड़ा दिया

2–जिसको न किया याद कभी वो खुद ही आ गये
वाणी सुना के धाम की सशंय मिटा दिए
अंगना समझ के अपनी गले से लगा लिया

3–ब्रह्मा विष्णु महेश जिसको ना पा सके
वेदों में अगम निगम कहते हुए थके
मेरे धनी ने आके निजघर दिखा दिया

भजन

तर्ज–और इस दिल में क्या रखा है

इश्क सुराही ले कर आए, मयखाना ये सजा रखा है
रूहें प्याले पी कर देखो, इसमे कैसा नशा रखा है
1–बसरी,मलकी में आये,और हक सूरत में आये
कई विध बदली मंजिल है,मगर हम जान नही पाए
शरीयत,हकीकत ,मारफत का वो ज्ञान लेकर आए हैं
वास्ते निसबत के आशिक बने है
माशूक हमको बना रखा है
2–इलम और इश्क ले आये, हुकम और जोश फरमाए
मेहर वो पल पल करते है, जिकर रूहों का करते है
इश्क,इलम,बुध,जोश,हुकम सब साथ मे ले आए
इश्के बुजुरगी साहेब की,
देखो नाम और मान हमे दे रखा है
3–खिलवत,वाहेदत ले आए, आठे सागर के सुख लाए
खेल अक्षर का दिखलाने ,हमे संग माया मे लाए
पच्चीस पख में सुरता को ,अपनी निसदिन पहुचांए
खुदा की खुदाई का आलम तो देखो,
नासूती तन को प्यार किया
4–अर्श की रूहों तुम जानो, धनी अपने को पहचानो
वो क्या क्या न्यामत लाए है, पिया की साहेबी को जानो
इश्क पिलाएं नींद उड़ाएं ,धाम की याद दिलाएं
मोमिनो ने तो दर्दे इश्क को, दर्दे दवा करके जाना

जाको नामै रसना

जाको नामै रसना, होसी कैसी मीठी हक।

जिनकी जैसी बुजरकी, जुबां होत है तिन माफक।।

मीठी जुबां मीठे वचन, मीठा हक मीठा रूहों प्यार।

मीठी रूह पावे मीठे अर्स की, जो मीठा करे विचार।।

प्यारी रसना सों अनेक, प्यारी बातें करें बनाए।

प्यारे प्यारी रूह बीच में, ए गुण जुबां किने न गिनाए।।

सब अंग जिनके इस्क के, तिनकी कैसी होसी जुबान।

अर्स रूहें जाने जागृत, जो रहें सदा कदमों सुभान ।।

सुनो महामत रसना रस, और सुनाइयो मोमिन।

जो हुकम कहे तोहे हेत कर, हक रसना के गुन ।।

भजन

हम तो जाते अपने गाम,अपनी सबको है प्रणाम

1- हुई है भूल अब तक जो,उसे दिल से भुला देना
मगर इन भीगी पलकों से,न तुम हमको विदा देना

2- हमारी याद आए तो,उसे दिल से मिटा देना
छिपा लेना अश्क अपने,न मोती यूं लुटा देना

3- किसी के अश्क मैं पी लूं,मेरी किस्मत कहां ऐसी
किसी का गम उठा लूं मैं,नहीं हिकमत कोई ऐसी

4- विदाई में ली जुदाई,जो आत्म सह नहीं पाई
किया पत्थर जिगर मैंने,मगर यह आंख भर आई

5- रजा जैसी राज की ये,राजी उसमें सदा रहना
मिला गम जो जुदाई का,उसे हंसते हुए सहना

6- मिला अवसर अगर कोई,दोबारा फिर भी आयेंगे
बिताए जो खुशी से दिन,कभी फिर भी बितायेंगे

भजन

तर्ज–हमें और जीने की चाहत

हमें धाम चलने की चाहत न होती,
अगर न बताते अगर तुम न आते

1– तुम्हें भूल कर तो लगता था ऐसे,
गमों के ही दरिया में आये हों जैसे
दिखाई न देती अन्धेरों में कश्ती,
अगर न दिखाते अगर तुम न आते
2– पिया जी तुम्हारा जो सहारा न मिलता,
भंवर में ही रहते किनारा न मिलता
किनारे पे लाके ये माया डुबोती,
अगर न बचाते अगर तुम न आते
3– हमें अब पता है कि तुम मेरे क्या हो,
अपनी रूहो के तुम्हीं शहनशाह हो
मेरे रूबरू ये चिलमन ही होती,
अगर न हटाते अगर तुम न आते
4– बख्शी खता फिर भी लेने को आए,
जहां में न ऐसा कोई ढूंढ पाए
मैं आशा की लड़ियां रह रह पिरोती,
अगर तुम न आते गले न लगाते

भजन

तर्ज– बेखुदी में सनम उठ गए जो कदम
इश्क में हो खसम हमको था ये भरम
मिट गए मिट गए मिट गए तुम पे हम

1– मूलमिलावे में बैठक लगी थी,
और वाहेदत की महफिल सजी थी
इतरा के रूहें हक से यूं कह रही थी
आशिकी हमने की,आपसे ए धनी

2– बातें ये सुनकर हंस दिए प्रीतम,
रद बदलें क्यूं करती हो तुम
बेवरा पाओ जाके खेल में अब तुम,
चल पड़ी चाह से माया की राह पे

3– इश्क धनी ने अपना वापिस लेकर,
कहा अब आओ अपने इश्क के बल पर
और चली आओ अपना ईमान लेकर,
इश्क है अब कहां,और कहां है ईमान
क्या कहें क्या कहें,क्या कहें तुमसे हम

VIDEO Play AUDIO

भजन

इश्क खुमारी आपकी चढ़ी रहे दिन रात
हाथ जोड़ धनी धाम सों मांगू यहीं दिन रात

1- वतन न जाते न सही चरणों राखो पास
सुख खिलवत के दो पिया हमको खासलखास
तुम दूल्हा मैं दुल्हनी,और न जानू बात
इश्क सों सेवा करूं सब अंगों साख्यात
जैसे थे निजधाम में चाहें वहीं दिन रात

2- इश्क बड़ा रे सबन में न कोई इश्क समान
एक तेरे इश्क बिना उड़ गई सब जहान
न्यारा निमख न होवहीं करना पड़े न याद
आशिक को माशूक का कोई इन विध लाग्या स्वाद
तुम हममें हम तुममें रहें सदा साक्षात

3- नाम ही जाको नवरंग ताकी निरत कहूं क्यूं कर
अनेक गुण रंग ल्यावहीं नए नए दिल धर
मुरली बजावे मोरबाई बेनबाई बाजंत्र
तानबाई तान मिलावत निरत जामत इन पर
जैसे थे निजधाम में मांगू यहीं दिन रात

भजन

हमे जिदंगी से फुरसत ना हुई ना है ना होगी
कभी दूर ये मुसीबत ना हुई ना है ना होगी

1–तेरे नक्शे प्यारे प्रीतम जो गिरे थे सिजदे में हम
किसी और की इबादत ना हुई ना है ना होगा

2–तेरे इश्क से बगावत ना हुई ना है ना होगी
किसी और से मुहब्बत ना हुई ना है ना होगी

3–तेरे प्यार में प्रीतम जो लगाए जां की बाजी
किसी और में ये ताकत ना हुई ना है ना होगी

4–रहे जिंदगी में शामिल ये शरीके ग़म के साये
हमें फूलों से मुहब्बत ना हुई ना है ना होगी

AUDIO VIDEO Play

भजन

आई जागनी की घड़ी, नूर की बारिश हुई

ए मेरे वतनी सुनो आ गए प्यारे धनी

1 दूर और नजदीक का सब नजारा है दिया
देके निजबुद्ध धाम की हमको अरस परस किया
इस कद्र आए धनी लागी मेहरों की झड़ी

2 दे दी हमें तन्हाईयां फिर बजाई शहनाईयां
संयोग और वियोग में जानी तेरी मेहरबानीयां
दी हजूरी बंदगी बदल दी है जिंदगी

3 छुड़ा दिए बंधन कर्म मिट गए सारे भरम
देके तारतम ज्ञान हमें समझा दिए सारे मरम
सात क्यामत के निशान बोली हक की जुबान

VIDEO Play
AUDIO

भजन

आशिक तो हम हैं आपके,
पर आशिकी कर न सके
प्यार तेरा चाहते हैं हम,प्यार मगर कर न सके

1- कितनी सुनाई हमें धाम की चरचा,
नाता बताया जो भूला हुआ था
हम कौन हैं और कहाँ से हैं आए,
तुम न बताते तो हमें क्या पता था
इस खेल में सच झूठ का,हम बेवरा कर न सके
2- चितवन देकर परमधाम की,
सुरता को इस खेल से निकाला
बिन आपके कोई और नहीं जो,
अन्दर बाहेर कर दे उजाला
इतनी मेहर हुई आपकी,पर हम सिला दे न सके
3- नासूत का तन ले के पिया ने,
रूहों के लिए कितने कष्ट उठाए
इक इक को सुध देने की खातिर,
वाणी खुलासा करके बताए
विरहा में रोते हैं हम,विरह में मर न सके

भजन

तर्ज–दो सितारों का जिमी पर है मिलन

अब हजारों का जिमीं पर है मिलन आपके हाथ
मुस्कुराती हुई चलेंगी धनी आपके साथ
रंग लाई है मेरी सुरता मिले प्राणों के नाथ
सोलह सिनगार किए बन के दुल्हन पाई मुराद

1– अर्श दिल को मेरे प्रीतम ने जब बनाया है
मेरी मेंहदी में इमाम मेहंदी का रंग आया है
तोड़ के नींद के पर्दे का चलन की मुलाकात
करके अंगीकार धनी ने दी मुझको सौगात

2– जिनको पाने की तमन्ना थी उन्हें पाया है
मेरा महबूब मुझसे इश्क लेने आया है
चूमती हैं तेरे कदमों को दुल्हन प्राणों के नाथ
सुख निजघर के दिए करके मेहर की बरसात

3– मेरे प्रीतम तेरी भी शान क्या निराली है
नूर ही नूर भरा है लट घुंघराली है
इत्रे हिना की खुशबू से है मदहोश जमात
मेरी निसवत थी निसवत से मिले प्राणों के नाथ

AUDIO VIDEO Play

भजन

आठों सागर आठ जिमीं,केल पुल को पार करो
जमुना जी में आ जाओ,झीलना कर सिनगार करो

1– पाटघाट से चल करके, अमृत वन को पार किया
चाँदनी चौंक की शोभा देखी, लाल हरा वृक्ष निहार लिया
सौ सीढ़ियां चढ़ करके, धाम दरवाजा पार करो

2– थंभ अठ्ठाईस चौक को, सुरता से जब पार किया
चौरस चार हवेली है, पांचवी गोल हवेली है
मूलमिलावे में आ जाओ, दर्शन में खो जाओ

3– मूलमिलावे की शोभा को, रूह की नजरों से देखो
पछिम में सिहांसन रंग कंचन, छः डांडे छः पाये हैं
युगल पिया की बैठक तो, रूहों के दिल में है

भजन

तर्ज–जब चली ठंडी हवा

अब चली सच की हवा, झूठ से पर्दा उठा
ओ मेरे प्यारे पिया, तुम दिल में आये
1–कृष्ण प्रणामी धर्म ,ये हमारा है नही
धर्म सब तो देह से है, देह से नाता नही
जाना वाणी से खसम, नाता तुमसे है पिया
सम्प्रदा अपनी निजांनद, तुम साथ लाए
2–कृष्ण प्रणामी है यहीं, भूल थी अपनी बड़ी
जाना वाणी से पिया,निजानंदी है हमीं
झूठा नाता ना रहा, सत्य से नाता जुड़ा
3–निसबत हमारी तो, राजश्यामा जी से है
इसमे तो शक ना कोई, रूहों ने जाना ये है
अंग श्यामा जी के हम, वो धनी के आनन्द अंग
पा के हम उनका आनंद, निजानंदी कहलाए
4–प्रणामी तो कृष्ण के, रूहें तो धनी की है
जाना जिसने भेद ये, वो तो अपने पिउ की है
कहनी में कहता है जो, रहनी में करता ना जो
सोच लें अपना गुनाह वो, पिया छल ना पाए

भजन

तर्ज– आज क्यों हम से पर्दा है

आज क्यूं हमसे दूरी है–2

1– तेरे ही साथ धनी रहते थे,इश्क की बातें सदा कहते थे
ये कैसी बात तूने उपजाई,खेल की बात मन में क्यूं आई,
नहीं जाना था माया क्या है,सच और झूठ की छाया क्या है
ये कैसा खेल तूने दिखलाया,झूठ ही झूठ यहां दर्शाया

2– मोह का पर्दा यहां निराला है,खुदी का हरसूं बोलबाला है
भरम की बाजी में हैं भरमाए,कर्म की जाली में सब उलझाये
काल के फंदे में सब डोल रहे,माया के बस में होकर बोल रहे

3–हुकम को हुकम देदो आने का,अपने चरणों में लेके जाने का
साहेबी तेरी सबसे आला है,धनी दुनियां से तूं निराला है
अपने चरणों की रोशनी दे दे,प्यार को नई जिंदगी दे दे
तब तो जानेंगे हमसे नाता है,धाम से तूं हमे बुलाता है

4–अर्ज सुनके पियाजी मुस्काये,बात ऐसी क्यों मन में तुम लाये
खेल मांगा था मैंने दिखलाया,माया के खेल में है भिजवाया
साथ आया हूँ लेके जाऊंगा,जुदा अपने से कर ना पाऊंगा
मेरा दीदार मेरी वाणी है,जिसमें लिखी सभी निशानी है
मेरे वजूद पर तुम मत जाओ,मेरी आवाज को मन में लाओ
फिर नहीं दूर मुझको पाओगे,पास बैठा हूं मान जाओगे
देर कुछ भी नहीं है जाने की,राह देखूं तुम्हारे आने की
फिर–फिर ना कोई तुमसे दूरी है–2

भजन

तर्ज–आजा तुझको पुकारे

अंगना तेरी है बेकरार,
प्रीतम तड़प रही है तेरी चाह में

1–मांग लिया जो इश्क रब्द में ये थी भूल हमारी
खुद उपजाया आपने प्रीतम कैसी लीला तुम्हारी
माया में दुख हैं बेशुमार...

2–पर्दा हटा दो जलवा दिखा दो यह है चाह हमारी
साथ चले सब छोड़ जहां को यह है आस हमारी
आस बुझा दो एक बार...

3–धनी के चरण में सुरता लगाकर अपने धाम को जायें
खेलें वनों में घाटों में घूमें अपने पिया को रिझायें
साथ की यहीं है पुकार...

भजन

तर्ज–गुजरा हुआ जमाना

अपना बना के तूने एहसान कर दिया है
यह तेरा शुक्रिया है

1–दुनिया है ऐसा सागर जिसमे जहर भरा है
नफरत को ये मिटाये ऐसा वो रास्ता है
तेरी रहमतो ने आ के मुझको बचा लिया है

2–क्या थी मैं क्या बनी हूं ये बात मैं ना भूलूं
तूने मुझे बनाया औकात मैं ना भूलूं
जो कुछ है पास मेरे सब तूने ही दिया है

3–कभी इम्तहां ना लेना ऐसे ही बख्शी जाऊं
बल दे दो पिया इतना तेरी प्रीत मैं निभाऊं
तेरी रहमतो का सागर मैने सदा पिया है

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज- आपके हसीन रूख पे

आपके ही नूर से,इन आशिकों में नूर है
बेखुदी में जी रहे हैं,मस्तियों में चूर हैं
आपकी निगाह के जाम तो भरपूर हैं
पी रहे हैं आप के ही इश्क का सरूर है

1- दर्दे दिल की है शफा,हजूर का यूं देखना
कि दिल को चौन दे रहा है,यूं करीब बैठना
खो गए हैं हम तुमी में,खुद से दूर दूर हैं

2- खूब खूब तुमने अपना,इश्क तो पिला दिया
ये दिल मेरा भी आपने तो,अपने दिल में ले लिया
अब तो हर तरफ मेरे हजूर का जहूर है

3- इश्क की दीवानगी है,आशिकों में इस कदर
जहां की हर खुशी भी,उनके वास्ते है बेअसर
आपके बिना ये दिन, ये रात भी बेनूर है

भजन

तर्ज– दिल है कि मानता नहीं

अंगना प्रीतम तेरी है तेरी
इश्क ईमान रहे,मेहर तेरी हो,चाहत यहीं है मेरी

1–हम तो ये जानें कोई नहीं अपना,प्रीतम तुमहो मेरे
इश्क हमारा हमको लौटा दो,अंगना ये विनती करे
इश्क पिला दो,आशिक बना दो,प्रीतम मेरे ओ धनी

2– इश्क के सागर मेहरबां तुम,चरणों में हम हैं तेरे
रूहें तो तेरे तन हैं पिया जी,जीवन तुम हो मेरे
जीव के जीवन,रूहों के खाविंद,प्रीतम मेरे ओ धनी

3–बल भी तुम्हारा बुध भी तुम्हारी,तेरे ही सुख में रहें
रूहें हैं तेरे इश्क की पाली,माशूक तुम हो मेरे
दिल में समाये,जाहिर ना पाये,दाझ मिटे न मेरी

AUDIO VIDEO Play

भजन

आ गए सरकार जिनको सदियों से पुकारा है
यहीं तो इक सहारा है
छोड़ दिया संसार,छोड़ दिया संसार
तेरा प्यार ही बस प्यारा है,यहीं तो इक सहारा है

1- हम अकेले थे तेरे आने से पहले
ये दिल था बेकरार
तुम जो मिल गए इस दिल के वीराने में
छाई फिर बहार है
तुम बिना प्रीतम-2,यहां न कोई भी हमारा है

2- तुम मेरे प्रीतम मैं तेरी हूं अंगना
ये नाता धाम का है
अब न छूटेगा दामन तेरा प्रीतम
ये रिश्ता धाम का है
लब पे तेरा नाम,हमने सदियों से पुकारा है

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज–सत्यम् शिवम् सुन्दरम

सच्चिदानन्द है,वो ही पिऊ है, पिऊ ही अपना है
रूहों उठकर देखो, निज आनन्द ही अपना है

आनन्द अपना अखण्ड
1–एक सरूप है लीला दोए, आनन्द है निजघर में
सतअंग की लीला सत्ता की, जो है अक्षर ब्रह्म
अक्षर पार है हम

2–नूर सरूप है युगल पिया जी,अंग श्यामा जी रूहें नूर
नूर समाया है कण कण में, नूर चांद और सूर
नूरी है अपना वतन

3–इश्क सरूप है वो पिया जी, दिल तो श्यामा जी है
श्यामा जी से आनन्द रूहों का,लीला ये वाहेदत की है
धाम धनी के है तन

भजन

आप जिनके करीब होते है
वो बड़े खुशनसीब होते है

1-रोग आतम का जिसको लग जाए
तेरे बिन और कुछ न भाए
आप उनके तबीब होते है

2-जुल्म सह कर भी उफ नही करते
हो भला सबका ये दुआ करते है
उनके दिल भी अजीब होते है

3-जिनकी निसबत है तेरे चरणों से
अर्श के सुख यहां पर लेते हैं
पास उनके हबीब होते है

भजन

आज मेरे घर राज पधारे,आनन्द अंग अपार रे
धन धन भाग हमारे

1–प्रेम पांवड़े मैं डारूं पिया जी को
जियावर प्राण आधार रे

2–सुख सेज्या पर आये जियावर
बोलूं मैं जय जय कार रे

3–तन मन जीव करूं मैं न्यौछावर
पूरी है इच्छा हमार रे

4–साज सिनगार आरती उतारूं
आनन्द अंग अपार रे

5–रस पकवान बहु विध मेवा
प्रेम से भोग लगाओ रे

6–चर्चा चितवन धाम सुनाकर
जन्म मरण दुख जाये रे

भजन

तर्ज–आपकी नजरों ने समझा प्यार के काबिल

आपकी मेहर ने हमको आपके काबिल किया,
मूलतन हमरे जहां पर अर्श वो हासिल किया

1– आ गए हैं याद रूह को पख पच्चीसों धाम के,
भोम पांचवीं सुख पौढ़न के लेना श्यामा श्याम के
भोम तीसरी बैठकर के सींचते अमीरस पिया

2– रूहों का रस रंग में मग्न हो पाट घाट में झीलना,
और वनों में अपने प्यारे पिऊजी के संग विलसना
दिल में प्रीतम के हैं रूहें और रूहों के दिल पिया

3–खड़ोकली में झीलना और भुलभुलवनी में दौड़ना
और कभी हमसब का मिलकर लाल चबूतरे बैठना
बीच हम रूहों के बैठे हैं सरूप युगल पिया

4– घूमने जाना कहां ये पूछना श्री राज का,
और फिर रूहों से हंसकर बोलना वो सुभान का
हमने चाहा था जहां जाना वहीं लियें चल पिया

5– देखूं श्री पुखराज जी से निकलती श्री जमुना जी,
और दक्षिण दिश को मुड़कर हौजकौसर में मिली
बेशुमार हैं अर्श अपना कहूं भला कहां तक पिया

VIDEO
Play
AUDIO

भजन

आज वाणी की धुन सुनी
सखी री आज वाणी की धुन सुनी
सुध ना रही कछु अपने धनी की
ना सुध थी अपनी

1–मैं जो आयी खेल देखन को,
सुध –बुध थी बिसरी
आप पहचान कराई आ कर
अंगना जान अपनी

2–त्रैगुन फाँस के फंद पड़ी थी
आये के मुक्त करी
देवी – देव और ष्ण से छूटी
श्री प्राणनाथ हैं धनी

भजन

तर्ज– तुमसे इजहारे हाल कर बैठे

आज फुरकत का ख्वाब टूट गया,
मिल गये तुम हिजाब टूट गया
दिल रूहों के सुभान बआ बैठे,
अर्श खिलवत बयां कर बैठे

1–भूल बैठे थे हम जो खजाना
याद आया वो मूल ठिकाना
मेहर नूरजमाल कर बैठे

2–है हमेशा जो माशूक अर्श में
आज बन बैठे आशिक फर्श में
काम क्या बेमिसाल कर बैठे

3–है वो महबूब मेरे मेहरबां
कह दिया हमने राज दिल का
वाणी में हवाल दे बैठे

VIDEO Play AUDIO

गज़ल

अगर आप चाहें,ये ख्वाब हटा दें
वो नूरी नजारा,रूहों को दिखा दें

1–हर इक रूह के दिल मे शमा जगमगा दे
वो इश्क तरंग फिर से तू जगा दे

2–जहां गम की आंधी हमे छू ना पाये
मेहर को अपनी छाया बना दे

3–ये दिवाने तेरे कहते है तुझसे
दिल से हमारे ये पर्दा हटा दे

4–अगर हम है भूले तो तुम नही भूले
तू चाहत दे तेरी हम जहां को भुला दे

VIDEO Play AUDIO

भजन

तर्ज– करवटें बदलते रहे सारी

अब तो जाहिर हो गए देखो पूर्णब्रह्म
जो है सच्चिदानंद

1– सुध बिना संसार में ना कोई हुआ बेशक
खोज – खोज सब थके रही दिलों में शक
तारतम किल्ली ले आए आप खुद खसम

2– जागृत बुध से भेद सारे ग्रंथों के खोल दिए
निजबुध से धाम के भेद वाणी में कहें
अब तो सब देखेंगे नजरों आया हक इलम

3– अब जो ना पहचाने उनको होगा उनपे ही गुनाह
कमी ना कोई रखी धनी ने ऐसे हैं वो मेहरबान
हमें वो समझा रहे हैं माया और ब्रह्म

भजन

आसरा है दिल को अब तेरी याद का
हाल है ये इस दिले नाशाद का

1– कदमों में है सिर,इबादत दिल में है
सजदा है ये अर्श की निमाज का

2– दूरियों को कीजिए नजदकीयां
मौका दो कोई इश्क के इजहार का

3– रूबरू की तो लज्जत है और ही
और ही अन्दाज है श्री राज का

4– देखिए सुनिए दिलों की दास्तां
मेरा हर नगमा है इक फरियाद सा

5– ओ बका के बादशाह ओ शहनशाह
साथ है ये आपका बस आपका

AUDIO Play

भजन

दोहा–प्रेम छुपाये न छुपे,जो घट परगट होय।
जाके मुख बोले नहीं,नैन देत हैं रोय।।

अब न पिया कुछ बोलेंगे,
दिल की दिल को कह लेंगे,कह लेंगे

1– तुमसे नहीं शिकवा कुछ भी–2
जैसे कहो हम रह लेंगे

2– अब कहने को है ही क्या–2
इश्क में खुद को डुबो लेंगे

3– माना कि है ये तेरा लाड पिया–2
लाड समझ कर सह लेंगे

भजन

तर्ज–आवाज दे के

आवाज दे के हमे तुम बुलाओ
कि दर दर की ठोकर न हमको खिलाओ
आवाज दे के.....

1–बहारों के बदले,गमो ने है घेरा
उठाओ ये बगिया,लगाया क्यों डेरा
बहुत हो चुकी अब न हमको रुलाओ
आवाज दे के....

2–जियें भी तो कैसे,जिया भी न जाये
मिलन हो तुम्हारा ,जुदाई ना भाये
है नैया भवंर में किनारे लगाओ
आवाज दे के....

3–दिखाई जो मंजिल वो मंजिल कहां है
यहां तो है कांटे बहारे कहां है
जहां प्यार बरसे वहां ले के जाओ
आवाज दे के.....

भजन

तर्ज–अब क्या मिसाल दूं मैं

अब क्या करूं बयान मैं सूरत सुभान की
शब्दों में कैसे लाऊं पिया शोभा आपकी

1–सुंदर सरूप आपका सागर है नूर का
दिल इश्क से भरा हुआ मेरे हजूर का
गालों पे है लाली, लाली गुलाब की

2–देखूं जो तेरे नैनो मे तो ये नैन न रहें
झुक जाये रुह चरण मे तो फिर न वो उठे
कैसे कहूं मैं खूबी, खूबी खुसाल की

3–सुख रसना के मैं क्या कहूं देते जो करके प्यार
ऐ जाने रुह अर्श की जो लेते बेशुमार
कायम है मस्ती, मस्ती नूर जमाल की

गज़ल

आशिकी ऐसी उलझन है जो समझाई नहीं जाती
जुबां पर रूह की बेचौनी कभी लाई नहीं जाती

1- मेरे धनी धाम के दूल्हा यह अंगना तेरी रोती है
यह सारे गम ही मिट जाते,अगर पहचान हो जाती

2- मेरे दिल ने बिछाये है ये सजदे तेरी राहों में
जो हालत रूहों की होती है,वो बतलाई नहीं जाती

3- चले आओ मेरे पिया मेरा दिल अर्स है तेरा
फक्त बस नाम है मेरा,मेहर तेरी है तड़पाती

AUDIO Play

भजन

अगर पंजे वाले की रहमत ना होती
तो अर्श की रूहों का क्या हाल होता
झूठी जिमीं पर अगर तुम ना आते
तो हम बेसहारों का क्या हाल होता
1–दरगाहे मुकद्दस है ये दर मोमनों का
इस दर के लिए ब्रह्मा विष्णु तरसते
अगर उनसे अपनी निसबत न होती
तो अर्श के फकीरों का क्या हाल होता, अगर पंजे वाले..
2–जीते जी छोड़ेगें मुरदार दुनियां
यही तो पहचान है मोमनों की
खुदा और उम्मत को चाहें हमेशां
इन के सिवा जाने क्या हाल होता, अगर पंजे वाले..
3–हकीकत और मारफत का सजदा है इनका
शरीयत का सजदा बजाते नही है
सदा हक की लज्जत वो लेते यहीं पर
अर्श अजीम पर क्या हाल होगा, अगर पंजे वाले..
4–वजूदों को छोड़ो वाणी को समझो
वाणी तो है श्री श्यामा जी की रसना
कब्रों से मुरदे अब उठ रहे हैं
न उठने वालों का क्या हाल होगा, अगर पंजे वाले..